● वर्ष : 17 ● अंक : 154 ● मूल्य : 02 रुपया मात्रा ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित | बुधवार 25 मार्च 2026 | लोकतंत्र का स्तंभ

पश्चिम एशिया संकट के बीच हर स्रोत से तेल गैस जुटा रहा भारत, शांति ही समाधानः मोदी

आने वाला समय देश की बड़ी परीक्षा, 'टीम इंडिया' की तरह मिलकर करना होगा मुकाबला

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के बीच मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट से निपटने के लिए भारत हर संभव स्रोत से कच्चा तेल और गैस जुटाने में लगा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का मुख्य फोकस देश में ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने के साथ-साथ कूटनीति के जरिए क्षेत्र में शांति बहाल करना है, क्योंकि लंबे समय तक जारी यह संकट गंभीर वैश्विक और आर्थिक दुष्परिणाम ला सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है और इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ा है। भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि इससे पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरकों जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही वैश्विक व्यापार मार्गों पर भी दबाव बढ़ा है, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों के फंसने से स्थिति और जटिल हो गई है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रह रहे हैं, जिनकी सुरक्षा और आजीविका सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 3.75 लाख से अधिक भारतीयों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। ईरान से भी 1,000 से अधिक भारतीयों की वापसी हुई है, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हैं। हालांकि, कुछ भारतीयों की मृत्यु और घायल होने की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिनके परिवारों को हर संभव सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत का स्पष्ट रुख है कि इस संकट का समाधान केवल संवाद और कूटनीति से ही संभव है। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने पश्चिम एशिया के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों से दो दौर की बातचीत की है। इसके अलावा भारत ईरान, इजराइल, अमेरिका और अन्य खाड़ी देशों के साथ लगातार संपर्क में बना हुआ है। भारत ने कमर्शियल जहाजों पर हमले और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों में बाधा को अस्वीकार्य बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है कि तेल, गैस और उर्वरकों से जुड़े जहाज सुरक्षित भारत पहुंचें। हाल के दिनों में कई देशों से कच्चे तेल और एलपीजी से भरे जहाज भारत पहुंचे हैं और यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा। ऊर्जा सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने इस दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। पहले जहां भारत 27 देशों से ऊर्जा आयात करता था, अब यह संख्या बढ़कर 41 हो गई है। इसके अलावा 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार विकसित किए गए हैं और इसे आगे बढ़ाने की दिशा में भी काम चल रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि देश में कच्चे तेल के पर्याप्त भंडार और सप्लाई की मजबूत व्यवस्था मौजूद है। मोदी ने कहा कि सरकार ईंधन के किसी एक स्रोत पर निर्भरता कम करने के लिए काम कर रही है। एलपीजी के साथ-साथ पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को बढ़ावा दिया जा रहा है और घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर भी जोर है। आत्मनिर्भरता पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को हर क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम करनी होगी। वर्तमान में देश का 90 प्रतिशत से अधिक व्यापार विदेशी जहाजों पर निर्भर है, जो संकट के समय जोखिम बढ़ाता है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने 'मेक इन इंडिया' के तहत लगभग 70 हजार करोड़ रुपये की लागत से स्वदेशी जहाज निर्माण अभियान शुरू किया है।

बुधवार को सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को लेकर केंद्र सरकार ने बुधवार शाम 5 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक संसदीय सौंध (पार्लियामेंट हाउस एनेक्सी) में होगी। बैठक में सभी दलों के सदन के नेताओं को आमंत्रित किया जाता है। इस बैठक में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के भारत पर पड़ने वाले असर पर बात होगी। साथ ही घरेलू गैस (एलपीजी) की आपूर्ति और अस्थिर बाजार स्थितियों पर भी सरकार विपक्ष के साथ चर्चा करेगी। हांलाकि सरकार की मुखर आलोचना करने वाले विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बैठक में सम्मिलित होने की उम्मीत कम ही है। राहुल गांधी ने स्वयं मीडिया से बातचीत में कहा है कि वे पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार केरल जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विपक्षी नेताओं ने इस मुद्दे पर सरकार के रुख की आलोचना करते हुए जल्द से जल्द सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की थी। मंगलवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पश्चिम एशिया संघर्ष से निपटने के सरकार के तरीके पर निशाना साधा।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

बंगाल में अघोषित राष्ट्रपति शासन? चुनाव आयोग और भाजपा जिम्मेदार ?

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा भाजपा के ऊपर तीखा हमला किया है। ममता बनर्जी ने कहा,अघोषित रूप से पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाकर रखा गया है। एसआईआर के माध्यम से 63 लाख लाख मतदाताओं को मतदान से वंचित किया जा रहा है। मतदाता सूची अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची मे नहीं थे। उन मामलों की सुनवाई अभी चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्देश चुनाव आयोग को दिए थे। चुनाव आयोग ने उनका पालन नहीं किया। इसके बाद भी पश्चिम बंगाल में चुनाव कराए जा रहे हैं।यह स्थिति आपातकाल की तरह है। चुनाव आयोग राज्य सरकार से विचार विमर्श किए बिना एक तरफा निर्णय ले रहा है। ममता बनर्जी ने तीखा हमला करते हुए कहा, अब जो भी अच्छा बुरा पश्चिम बंगाल में होगा।

उसके लिए चुनाव आयोग और केंद्र सरकार ही जिम्मेदार होगी। जिस तरह से अधिकारियों को हटाया गया है। उसके कारण पश्चिम बंगाल की सारी प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा गई है ।चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद सारे निर्णय चुनाव आयोग द्वारा लिए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में कानून व्यवस्था से लेकर हर स्थिति के लिए चुनाव आयोग और केंद्र सरकार ही जिम्मेदार होगी। ममता बनर्जी जिस तरह से आक्रामक हुई हैं। उससे लगता है,उन्होंने दिल्ली में जो कुछ केजरीवाल सरकार के साथ हुआ था। उसको ध्यान में रखकर सबक लिया है। केजरीवाल सरकार भी कोई निर्णय नहीं ले पा रही थी।उप राज्यपाल और चुनाव आयोग के माध्यम से सारे निर्णय लिए जा रहे थे। सारा ठीकरा केजरीवाल के सिर पर फोड़ा गया। जिस तरह से महाभारत में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में घेर कर मारा गया था। इसी तरह से केजरीवाल को चक्रव्यूह में फंसाकर, वोट काटकर चुनाव आयोग द्वारा पक्षपात कार्यवाही करके सुंयोजित तरीके से आम आदमी पार्टी को हराया गया था।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए ममता बनर्जी अपनी बलि नहीं देना चाहती हैं। ऐसा लगता है ममता दीदी काली माई के रोद्र रूप को धारण करके, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और ज्ञानेश कुमार से लड़ने के लिए चुनाव मैदान में अस्त्र-शास्त्र के साथ आ गई हैं। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे बड़ा घुसपैठिया कह दिया है। इससे उनके आक्रामक तेवर का पता लगता है। ममता बनर्जी पिछले 6 महीनो से एसआईआर की लड़ाई जमीन से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ रही है। सुप्रीम कोर्ट से भी उन्हें कोई न्याय नहीं मिला। जिन मतदाताओं के नाम कटे हैं, उनकी सुनवाई पूरी नहीं हुई है। मतदाता सूची फाइनल हुए बिना चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसी तरह से चुनाव भी करा दिए जाएंगे। बिहार में भी ऐसा ही किया गया था।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

तेहरान और अमेरिका के बीच शांति के लिए मध्यस्थता वाली खबरें फेकः ईरान

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग जल्द ही शांति में बदल जाएगी। इसके लिए कई देश मध्यस्थता कर रहे हैं और बातचीत कर शांति बहाल हो जाएगी। इस तरह की राहत भरीं खबरें हकीकत में बदलतीं इससे पहले ही ईरान ने साफ कर दिया कि ये सिर्फ अटकलें और भ्रामक खबरें है। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बघेर गालिबाफ ने सीधे संवाद की खबरों को खारिज करते हुए इन्हें फेक न्यूज करार दिया। ईरान का रुख फिलहाल सख्त बना हुआ है, लेकिन अमेरिका के इस रुख के बाद वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है और कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गई हैं। भले ही ईरान ने प्रस्ताव मिलने की बात स्वीकार की है, लेकिन अंतिम समझौते तक पहुंचने की राह अब भी कूटनीतिक दांव-पेचों में फंसी नजर आती है। वहीं दूसरी तरफ बताया जा रहा है कि ईरान के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि उन्हें मध्यस्थों के माध्यम से अमेरिका की ओर से कुछ महत्वपूर्ण प्रस्ताव मिले हैं। इधर खबरें चल रहीं है कि ईरान इन प्रस्तावों की गंभीरता से समीक्षा कर रहा है। अधिकारी के अनुसार, अमेरिका की ओर से भेजे गए कुछ बिंदुओं पर विचार किया जा रहा है, जिससे यह संकेत मिलता है कि लंबे समय से जारी गतिरोध और प्रत्यक्ष टकराव के बावजूद दोनों देशों के बीच पर्दे के पीछे कूटनीतिक संवाद का रास्ता खुला है।

असम राइफल्स के स्थापना दिवस पर अमित शाह समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। असम राइफल्स के स्थापना दिवस पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने वीर जवानों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। नेताओं ने पूर्वोत्तर की सीमाओं की रक्षा करने वाले असम राइफल्स के साहस, अनुशासन और समर्पण को राष्ट्र की एकता और सुरक्षा का प्रेरणास्रोत बताया। अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि असम राइफल्स के जवान पूर्वोत्तर के कठिन इलाकों में सीमाओं की रक्षा करते हैं और मानवीय सहयोग से समुदायों के बीच विश्वास कायम करते हैं। उन्होंने उन शहीद जवानों को भी याद किया जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपना बलिदान दिया। डॉ. वीरेंद्र कुमार ने असम राइफल्स के 191वें स्थापना दिवस पर सैन्य कर्मियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वीरता, अनुशासन और समर्पण के प्रतीक असम राइफल्स द्वारा सीमाओं की रक्षा और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए किए गए प्रयास सराहनीय हैं। मुख्यमंत्री सैनी ने असम राइफल्स को 'पूर्वोत्तर के प्रहरी' बताते हुए कहा कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए उनका अदम्य साहस और समर्पण प्रेरणादायी है।

गुजरात और बिहार के लिए 647 करोड़ की रेल परियोजनाएं मंजूर

नई दिल्ली। सरकार ने गुजरात और बिहार के लिए कुल 647.58 करोड़ रुपये की दो रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें गुजरात के कोसंबा में रेल ओवर रेल फ्लाईओवर और बिहार के भागलपुर में नया रेल बाईपास शामिल है। रेल मंत्रालय के अनुसार पश्चिम रेलवे के अंतर्गत गुजरात के कोसंबा-उमरपाड़ा गेज परिवर्तन खंड (9.20 किलोमीटर) पर रेल ओवर रेल (आरओआर) फ्लाईओवर का निर्माण 344.38 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। मुंबई-वडोदरा मुख्य लाइन के पूर्वी ओर स्थित इस खंड का गेज परिवर्तन कार्य चल रहा है। समर्पित मालवाहक गलियारे के कारण यहां जमीन स्तर पर क्रॉसिंग संभव नहीं है। नए फ्लाईओवर से गेज परिवर्तित लाइन को मुख्य लाइन से निर्बाध रूप से जोड़ा जा सकेगा, जिससे ट्रेनों की आवाजाही बिना किसी रुकावट के सुरक्षित और सुचारु हो सकेगी। इसके अलावा पूर्व रेलवे के अंतर्गत बिहार में भागलपुर बाईपास (13.38 किलोमीटर) का निर्माण 303.20 करोड़ रुपये की लागत से होगा। यह बाईपास बराहट-भागलपुर खंड के गोनुधाम हॉल्ट को भागलपुर-साहिबगंज खंड के सबौर स्टेशन से जोड़ेगा, जिससे भागलपुर जंक्शन पर ट्रेनों की भीड़भाड़ काफी कम हो जाएगी। इन परियोजनाओं से दोनों राज्यों में रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी, भीड़भाड़ कम होगी और ट्रेनों का परिचालन अधिक सुचारु एवं सुरक्षित हो जाएगा।

पश्चिम एशिया में हो रहे हमलों को भारत ने पूरी दुनिया के लिए खतरनाक बताया

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री ने तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ हाल की वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा घटनाओं पर चर्चा की

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक करके भारत की रक्षा तैयारियों पर चर्चा की। इस अहम बैठक में हाल की वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा घटनाओं की भी समीक्षा की गई। रक्षा मंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में हो रहे हमले न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता की बात है। बैठक में डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) के चेयरमैन डॉ. समीर कामत, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह, सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और शीर्ष अधिकारियों ने पश्चिम एशिया में बदलते हालात पर चर्चा की। सुरक्षा समीक्षा बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की रक्षा तैयारियों का आकलन किया। पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष अब चौथे हफ्ते में है और होर्मुज जलमार्ग से होने वाला व्यापार ठप है। अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हमले में 28 फरवरी को ईरान के 86 साल के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई की मौत के बाद तनाव बढ़ गया है। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने कई खाड़ी देशों में इजराइली और अमेरिकी संपत्तियों को निशाना बनाया, जिससे पानी के रास्ते में और रुकावटें आईं और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार के साथ-साथ वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर भी असर पड़ा। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में सदस्यों को पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रम और भारत पर उनके संभावित असर के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने स्थिति को 'चिंताजनक' बताया। उन्होंने आज राज्यसभा में भी इस मुद्दे पर बयान दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि चल रहे संघर्ष से पहले कभी नहीं हुई चुनौतियां पैदा हुई हैं, जो न केवल आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हैं, बल्कि मानवीय भी हैं।

केरल में चुनाव आयोग के संदेश के साथ बीजेपी की मुहर लगा दस्तावेज़ बांटा, मचा बवाल

तिरुअनंतपुरम। केरल के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय में एक बड़ी प्रशासनिक लापरवाही का मामला सामने आया है। चुनाव आयोग के एक आधिकारिक संदेश के साथ बीजेपी की मुहर लगा दस्तावेज़ अन्य राजनीतिक दलों को बांट दिया गया। इस घटना के बाद केरल में हड़कंप मच गया और सीईओ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर को सस्पेंड कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केरल के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय ने एक्स पर स्पष्ट किया कि यह पूरी घटना एक लिपिकीय त्रुटि का परिणाम थी। बता दें हाल ही में बीजेपी की केरल इकाई ने चुनाव आयोग से उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड प्रकाशित करने से जुड़े 2019 के दिशा-निर्देशों पर स्पष्टीकरण मांगा था। अनुरोध के साथ पार्टी ने 2019 के मूल निर्देशों की एक फोटोकॉपी भी संलग्न की थी, जिस पर बीजेपी की आधिकारिक मुहर लगी हुई थी। चुनाव कार्यालय के कर्मचारी बीजेपी द्वारा दी गई उसी फोटोकॉपी पर लगी मुहर को देख नहीं पाए और अनजाने में उसे ही आधिकारिक जानकारी मानकर अन्य सभी राजनीतिक दलों को वितरित कर दिया। एक चूक के कारण दफ़्तर जमा किए गए दस्तावेज पर पार्टी का निशान नहीं देख पाया और गलती से उसे मांगी गई जानकारी के हिस्से के तौर पर दूसरी राजनीतिक पार्टियों को भी बांट दिया, जिस दिशा-निर्देश की बात हो रही है।

सेना में महिला अधिकारियों को दिया गया परमानेंट कमीशन बरकरार रहेगा

नई दिल्ली। भारतीय सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा फैसला हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने महिला अधिकारियों को परमानेंट कमीशन (पीसी) देने के अपने पिछले निर्णयों को सही माना है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि भारतीय सेना में महिलाओं के स्थायी सेवा के अधिकार में अब कोई दखल नहीं दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि महिला अधिकारियों को पहले से दिया गया परमानेंट कमीशन बरकरार रहेगा, और यह साफ कर दिया कि मौजूदा व्यवस्था में कोई दखल नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि महिला अधिकारी खास तौर पर शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारी (एसएससीओएस) और वे लोग जिन्होंने मामले में दखल दिया था जिन्हें कानूनी कार्रवाई के दौरान किसी भी चरण में सेवा से मुक्त किया गया था, उन्हें 20 साल की सेवा पूरी कर चुका माना जाएगा। इसके परिणामस्वरूप, वे पेंशन से जुड़े फायदों की हकदार होंगी। इस फैसले को सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है, जो भारतीय सेना में महिला अधिकारियों के अधिकारों और सेवा शर्तों को और मज़बूत करता है।

किसी दूसरे धर्म में धर्मांतरण किया तो वह शख्स अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

एससी/एसटी एक्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति ईसाई धर्म में धर्मांतरण कर लेता और उसका पालन करता है, तो वह अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं रह सकता। मंगलवार को जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच सुनवाई कर रही थी। सवाल था कि क्या हिंदू धर्म से ईसाई धर्म में जाने वाला व्यक्ति एससी/एसटी एक्ट लगाने के लिए अनुसूचित जाति के दर्जे का दावा कर सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। बार एंड बेंच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कोई भी व्यक्ति जो हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानता है, वह अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं हो सकता। किसी अन्य धर्म में परिवर्तन करने पर अनुसूचित जाति का दर्जा खत्म हो जाता है। बेंच ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता का यह दावा नहीं है कि उसने ईसाई धर्म छोड़कर वापस अपने मूल धर्म को अपना लिया है, या उसे मडिगा समुदाय ने फिर से स्वीकार कर लिया है। यह साबित होता है कि अपीलकर्ता लगातार ईसाई धर्म को मानता रहा और एक दशक से ज्यादा समय से पादरी के रूप में काम कर रहा है। यह भी स्वीकार किया गया है कि घटना के समय, वह घर पर प्रार्थना सभा कर रहा था। ये सभी तथ्य कोई संदेह नहीं छोड़ते कि घटना की तारीख को वह एक ईसाई ही था। रिपोर्ट के मुताबिक ईसाई धर्म अपनाने वाला एक शख्स पादरी के तौर पर काम कर रहा था, लेकिन उन्होंने कुछ लोगों के खिलाफ केस किया था।

दिल्ली सरकार ने पेश किया 1.03 लाख करोड़ का बजट

एजेंसी। नई दिल्ली

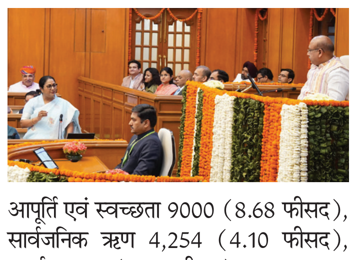

दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा में मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1,03,700 करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जो पिछले वर्ष से 3700 करोड़ अधिक है। इस बार बजट की थीम 'ग्रीन बजट' रखी गई है, जिसमें विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण पर सबसे ज्यादा जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि अब दिल्ली मुफ्त सुविधाओं के कल्चर से बाहर निकलकर बुनियादी ढांचे और पर्यावरण पर निवेश कर रही है। दिल्ली सरकार के 1,03700 करोड़ रुपये के बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए 19,326 (18.64 फीसद), चिकित्सा एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य 13,034 (12.57 फीसद), परिवहन, सड़कें एवं पुल 12,613 (12.16 फीसद), आवास एवं शहरी विकास 11,572 (11.16 फीसद), सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण 10,537 (10.16 फीसद), जल आपूर्ति एवं स्वच्छता 9000 (8.68 फीसद), सार्वजनिक ऋण 4,254 (4.10 फीसद), ऊर्जा 3,938 (3.80 फीसद), ब्याज भुगतान 2,734 (2.64 फीसद), कृषि, ग्रामीण विकास और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण के लिए 1,777 (1.71 फीसद) अन्य 14,915 (14.38 फीसद) शामिल है। बजट में पर्यावरण (21 फीसद हिस्सा), विकास, महिला समृद्धि योजना (2500 का प्रावधान) और बुनियादी ढांचे (पीडब्ल्यूडी के लिए 5921 करोड़ रुपये) पर मुख्य फोकस है। बजट में 70.3 फीसद राजस्व और 29.7 फीसद पूंजीगत व्यय है।

बजट की प्रमुख बातें – पर्यावरण और हरित परियोजनाओं के लिए कुल बजट का 21 फीसद आवंटित किया गया है। इस बजट की हर नीति में पर्यावरण, हर योजना में प्रकृति और हर निर्णय में भविष्य की पीढ़ियों की चिंता समाहित है इसलिए हमने पूरे बजट का 21 प्रतिशत हिस्सा ग्रीन बजट के लिए आवंटित किया है। यह बजट शासन की सोच में एक ऐतिहासिक परिवर्तन है, जहां विकास और धरती मां के संरक्षण के बीच संतुलन साधा गया है। बजट में महिला समृद्धि योजना के तहत महिलाओं को 2500 रुपये देने के लिए 5100 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। 9वीं के छात्रों को साइकिल और 10वीं के छात्रों को लैपटॉप देने की योजना का प्रावधान बजट में रखा गया है। दिल्ली में 770 नए 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' खोलने के लिए 1,500 करोड़ रुपये और जीटीबी अस्पताल में नया ट्रॉमा सेंटर शुरु करने की योजना है। बुनियादी ढांचा को लेकर 750 किमी सड़क की रीकार्पेटिंग के लिए 1392 करोड़ रुपये का प्रावधान है। बजट में 74,000 करोड़ टैक्स से और 900 करोड़ नॉन-टैक्स राजस्व से आने का अनुमान है।

दिल्ली विधानसभा, मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षाकर्मियों ने ली तलाशी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता और विधानसभा मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। सुबह 7:49 बजे स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को ईमेल आया और 7:28 बजे विधानसभा को ईमेल आया। ईमेल में एलजी तरनजीत संधू, पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मिनिस्टर जयशंकर और साथ में दिल्ली के सीएम रेखा गुप्ता और कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा का भी नाम लिखा। धमकी मिलने के बाद सुरक्षाकर्मी विधानसभा स्पीकर के रूम में जांच करने पहुंचे। मिली जानकारी के मुताबिक दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता को भी धमकी से भरा ईमेल आया था। दिल्ली असेंबली में बम की धमकी वाले मेल के बाद स्निफर डॉग स्क्वाड वहां पहुंचा और जांच की। बम की धमकी वाला मेल मिलने पर बीजेपी विधायक अनिल गोयल ने कहा कि यह एक धोखा था। सब कुछ सुरक्षित है, हम बैठक के लिए जा रहे हैं। धमकियों के बावजूद दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने विधानसभा में बजट पेश किया।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर बुधवार को सर्वदलीय बैठक

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को लेकर केंद्र सरकार ने बुधवार शाम 5 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक संसदीय सौंध (पार्लियामेंट हाउस एनेक्सी) में होगी। बैठक में सभी दलों के सदन के नेताओं को आमंत्रित किया जाता है। इस बैठक में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के भारत पर पड़ने वाले असर पर बात होगी। साथ ही घरेलू गैस (एलपीजी) की आपूर्ति और अस्थिर बाजार स्थितियों पर भी सरकार विपक्ष के साथ चर्चा करेगी। हांलाकि सरकार की मुखर आलोचना करने वाले विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बैठक में सम्मिलित होने की उम्मीत कम ही है। राहुल गांधी ने स्वयं मीडिया से बातचीत में कहा है कि वे पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार केरल जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विपक्षी नेताओं ने इस मुद्दे पर सरकार के रुख की आलोचना करते हुए जल्द से जल्द सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की थी। मंगलवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पश्चिम एशिया संघर्ष से निपटने के सरकार के तरीके पर निशाना साधा। राज्यसभा में सांसद जॉन ब्रिटास ने 2003 के उस संसदीय प्रस्ताव का हवाला दिया जिसमें इराक युद्ध की निंदा की गई थी, और सरकार से ईरान के मामले में भी इसी तरह का रुख अपनाने की अपील की। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा में भारत की ऊर्जा सुरक्षा और पश्चिम एशिया संघर्ष के व्यापक प्रभावों पर बात की। उन्होंने सभी राज्यों से केंद्र के साथ मिलकर काम करने की बात की। उन्होंने कहा कि ऐसे कठिन समय में यह जरूरी है कि संसद का उच्च सदन शांति और संवाद का एकजुट संदेश दे। इससे पहले लोकसभा में सोमवार को प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया संकट से निपटने के लिए सरकार के उपायों की जानकारी दी थी।

राहुल गांधी ने एलपीजी, पेट्रोल और खाद्यान्न संकट के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। लोकसभा और राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पश्चिम एशिया पर दिए गए वक्तव्य की विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कोविड जैसी स्थिति आने की बात कही, लेकिन कोविड काल में सरकार की नीतियों और उससे हुई जनहानि को पूरी तरह नज़रअंदाज कर दिया। राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भारत की विदेश नीति अब प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत नीति बन गई है और इसका परिणाम पूरी दुनिया में मजाक का विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ समझौते और हालिया भाषण से यह स्पष्ट है कि भारत की विदेश नीति में कोई ठोस स्थिति नहीं है, जिससे देश को नुकसान होगा। उन्होंने कहा दी कि एलपीजी, पेट्रोल और उर्वरक जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में संकट उत्पन्न होगा और देश एक नई चुनौती का सामना करेगा। सरकार ने संरचनात्मक गलती की है और पूरे ढांचे को कमजोर कर दिया है, जिसे सुधारने में लंबा समय लगेगा। मौजूदा सरकार इस स्थिति को संभालने में सक्षम नहीं है।

तेरह साल से कोमा में पड़े हरीश राणा को मिली इच्छामृत्यु, एम्स में ली अंतिम सांस

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। देश में निष्क्रिय इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। एम्स ने जारी एक बयान में कहा कि हरीश राणा ने मंगलवार को शाम 4.10 मिनट पर अंतिम सांसें ली। वे समर्पित चिकित्सकों की टीम की देखरेख में थे और उन्हें ऑन्को-एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष, डॉ. (प्रो.) सीमा मिश्रा के नेतृत्व में पैलिएटिव ऑन्कोलॉजी यूनिट (आईआरसीएच) में भर्ती कराया गया था। एम्स ने हरीश राणा के परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। हरीश राणा का मामला देश में 'गरिमा के साथ मृत्यु के अधिकार' (राइट टू डाई विद डिग्निटी) पर एक ऐतिहासिक निर्णय माना गया था। हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को विशेष अनुमति देते हुए उनकी सम्मानपूर्वक मृत्यु के लिए एम्स प्रबंधन को जीवनरक्षक उपचार हटाने (लाइफ सपोर्ट विदड्राल) की इजाजत दी थी।

13 साल पहले एक हादसे के बाद कोमा में चले गए थे हरीश: 32 साल के हरीश राणा 13 साल पहले एक हादसे का शिकार हो गए थे। चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में बीटेक की पढ़ाई कर रहे हरीश राणा 20 अगस्त 2013 को हॉस्टल की चौथी मंजिल से नीचे गिर गए थे। इसके बाद से हरीश कोमा में चले गए थे। परिवार वालों ने खूब इलाज कराया पर हरीश के स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ। 13 साल से बिस्तर पर ही लाइफ स्पोर्ट सिस्टम के सहारे जिंदा थे। परिवार वालों ने इच्छामृत्यु के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया हरीश के पिता अशोक राणा ने सुप्रीम कोर्ट से बेटे के लिए इच्छामृत्यु की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों का पैनल गठित कर रिपोर्ट मांगी थी। इसके बाद 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा को इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी थी। 15 मार्च को हरीश राणा को दिल्ली एम्स लाया गया था। अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने धीरे धीरे लाइफ सपोर्ट सिस्टम को हटाना शुरू किया। मंगलवार को हरीश को हमेशा के लिए दर्द से राहत मिल गई। पैसिव यूथिनिसियाका देश में यह पहला मामला है।

रोहिणी अदालत के वकील बुधवार को रहेंगे हड़ताल पर

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। एक वकील के घर पर जानलेना हमले में वकील के भाई की हत्या और दो रिश्तेदारों के घायल होने की घटना के खिलाफ रोहिणी कोर्ट के वकील कल यानि 25 मार्च को न्यायिक कार्यों का बहिष्कार करेंगे। रोहिणी कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव तेहलान और सचिव प्रदीप खत्री के हस्ताक्षर से जारी नोटिस में 25 मार्च को वकीलों के हड़ताल का आह्वान किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि 19 मार्च को वकील पवन भारद्वाज के घर पर अपराधियों ने जानलेवा हमला किया। इस हमले में पवन भारद्वाज के भाई की मौत हो गई और उनके पिता और भतीजा घायल हो गए। पूरी घटना पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद है। नोटिस में कहा गया है कि सीसीटीवी में घटना कैद होने के बावजूद अभी तक किसी भी आरोपित को गिरफ्तार नहीं किया गया है। इसका सीधा मतलब है कि दिल्ली पुलिस काम नहीं कर रही है। रोहिणी कोर्ट बार एसोसिएशन ने इस घटना की निंदा करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से आग्रह किया है कि जल्द और उचित कार्रवाई की जाए। बार एसोसिएशन ने सभी वकीलों से आह्वान किया है कि वो भाईचारा और एकजुटता का प्रदर्शन करें और 25 मार्च को न्यायिक कार्यों का बहिष्कार करें। हालांकि बार एसोसिएशन ने जमानत और रोक के आदेश के मामले में न्यायिक बहिष्कार को शामिल नहीं किया है। बार एसोसिएशन ने जिला जज से आग्रह किया है कि वो 25 मार्च को लिस्टेड किसी भी मामले में प्रतिकूल आदेश पारित नहीं करें।

रेलवे टेंडर घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव की एफआईआर रद्द करने की मांग खारिज

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने रेलवे टेंडर घोटाला के केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जुड़े मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की एफआईआर निरस्त करने की मांग खारिज कर दी है। जस्टिस रविंद्र डूडेजा की बेंच ने ये आदेश दिया। लालू यादव ने ट्रायल कोर्ट की ओर से आरोप तय करने के आदेश को भी चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान लालू यादव की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट से कहा था कि सीबीआई ने इस मामले में दो लेनदेन सरकारी नीति के तहत किए गए थे। ऐसे में उन लेनदेन को भ्रष्टाचार निरोधक कानून के दायरे में नहीं रखा जा सकता है। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में 13 अक्टूबर, 2025 को लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के खिलाफ आरोप तय कर दिया था। कोर्ट ने तीनों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 428, 120बी और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 13(2) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया था।

MERI में अंतरराष्ट्रीय आईटी सेमिनारः क्वांटम और साइबर टेक्नोलॉजी पर फोकस

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी से संबद्ध मैनेजमेंट एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (MERI) में 21वां अंतरराष्ट्रीय 'अप्रेंदेमोस' आईटी सेमिनार आयोजित किया गया। "नेक्स्ट-जन इंटेलिजेंसः क्वांटम, साइबर और इमर्सिव गेमिंग" थीम पर आधारित इस सेमिनार में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, रक्षा विशेषज्ञों तथा रूस और यूरोप सहित विभिन्न देशों से आए अंतरराष्ट्रीय पैनलिस्टों ने भाग लिया और अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का उद्घाटन MERI ग्रुप के वाइस चेयरमैन प्रोफेसर ललित अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि छात्रों को तेजी से बदलते टेक्नोलॉजी परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को लगातार अपडेट रखना चाहिए। उनका कहना था कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए नई टेक्नोलॉजी की समझ बेहद आवश्यक है। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि एवं MERI ग्रुप के चेयरमैन आई. पी. अग्रवाल ने क्वांटम कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इमर्सिव गेमिंग के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी अभूतपूर्व गति से विकसित हो रही है और डिजिटल भविष्य के लिए सुरक्षित एवं बुद्धिमान प्रणालियों का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। नैतिकता के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, "विज्ञान एक अच्छा सेवक है, लेकिन एक बुरा मालिक।"सेमिनार के तहत विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। क्वांटम कंप्यूटिंग सत्र में एयर वाइस मार्शल (डॉ.) देवेश वत्स, प्रोफेसर विनीत अग्रवाल, पुनीत सिंह, डॉ. आशु गौतम और अमरेंद्र सत्यसीलन ने अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं, साइबर सिक्योरिटी सत्र के दौरान एयर कमोडोर रजनीश कुमार, लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) हरकमल सिद्धू, दिमित्री क्लिओस्की और रितेश कुमार ने साइबर खतरों और सुरक्षा उपायों पर चर्चा की। गेमिंग सत्र में मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) एम. एस. मोखा, ब्रिगेडियर डी. एस. बजाज, उदित पवार और डॉ. एस. प्रभु ने इमर्सिव गेमिंग के उभरते आयामों पर प्रकाश डाला।

बीकानेर हाउस में आयोजित राजस्थान उत्सव, 2026 में राजस्थानी व्यंजन, हस्तशिल्प वस्तुएं और परिधान बने आकर्षण का केन्द्र

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजस्थान दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में चल रहे ग्यारह दिवसीय राजस्थान उत्सव में राजस्थानी व्यंजनों, हस्तशिल्प वस्तुओं और परिधानों के स्टॉल्स ने सभी दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। उत्सव में रूडा के श्री ओमप्रकाश ने बताया कि रूडा और राजीविका द्वारा लगाए गए लगभग 50 स्टॉलो में प्रदेश के विभिन्न अचंलों से आए हस्तकलाकारों ने अपनी हस्तकला से निर्मित उत्पादों यथा हेडब्लॉक बेडशीट, सूट, साड़ियों, कंगन और ज्वैलरी, मोजड़ियां, इत्यादि उत्पादों का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त फूड स्टॉल्स पर भी दर्षकों ने राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा, मूंग की दाल, प्याज और दाल की कचैड़ी, कैर-सांगरी की सब्जी आदि व्यंजनों का स्वाद लिया। नवरात्रि के त्यौहार को देखते हुए नवरात्रि व्रत स्पेषल थालियों की खूब बिक्री हुई।

दिल्ली पुलिस मुख्यालय में स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः आज दिल्ली पुलिस कल्याण इकाई द्वारा दिल्ली पुलिस मुख्यालय में Avee Hospital के सहयोग से एक स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर श्री अतुल कटियार, विशेष पुलिस आयुक्त/कल्याण के पर्यवेक्षण में आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक जय सिंह रोड स्थित मुख्यालय में किया गया। इस शिविर का लाभ कुल 266 पुलिस कर्मियों ने उठाया। इस पहल का उद्देश्य पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना तथा व्यापक चिकित्सीय जांच के माध्यम से उनके समग्र कल्याण को सुनिश्चित करना था। शिविर के दौरान 2 सामान्य चिकित्सकों, 1 फिजियोथेरेपिस्ट और 1 डाइटीशियन सहित चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम ने विस्तृत स्वास्थ्य जांच की। साथ ही कई प्रकार की जांचें भी की गईं, जिनमें लिवर फंक्शन टेस्ट (LFT), किडनी फंक्शन टेस्ट (KFT), विटामिन B12, विटामिन D3, फाइब्रो स्कैन, HbA1c और TSH शामिल हैं।

मो. रियाज़ ने डीडीए आयुक्त विरेन्द्र सिंह तोमर को शॉल व गुलदस्ता देकर ईद की मुबारकबाद दी

लोकतंत्र की शान

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पेनल एडवायज़री सदस्य एवं अल्पसंख्यक विकास परिषद के चेयरमेन मो रियाज़ और परिषद के सदस्य मो. आदिल सैफी ने ईदुल फितर के अवसर पर डीडीए आयुक्त विरेन्द्र सिंह तोमर से उनके निवास स्थान खेलगांव में मुलाकात की। मो. रियाज़ ने विरेन्द्र सिंह तोमर को फूलों का गुलस्ता और शॉल देकर ईदुल फितर की मुबारकबाद दी। विरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा मुझे बहुत खुशी हुई ईद के दिन आप लोगों ने मेरे घर आकर मुझे ईद की मुबारकबाद दी इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मुस्लिम समुदाय को मेरी ओर से ईदुल फितर की मुबारकबाद। यह धार्मिक पर्व हम सबको प्यार मोहब्बत और एकता का संदेश देते हैं। इस सामाजिक भाईचारे से बेहतर समाज का निर्माण होगा और सब मिलकर भारत के विकास के लिए कार्य करें। अंत में मो. रियाज़ ने कहा सभी समुदाय के यह पर्व हम सबको मिलजुल कर एक दूसरे की खुशी में शामिल होने का संदेश देते हैं। भारत विभिन्न धर्मों का देश है विभिन्नता में एकता यही भारत की पहचान है इसी हिन्दू मुस्लिम भाईचारे को गंगा जमनी तेहज़ीब कहा जाता है। भारत एक फूलों का गुलदस्ता है जिसमें विभिन्न रंग के फूल शामिल हैं जिससे प्रेम मुहब्बत और एकता की सुगंध आती है।

राहुल बोले- मोदी वही करते हैं, जो अमेरिका-इजराइल चाहते हैं, वह भारत के हित के फैसले ले ही नहीं सकते

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के हित के फैसले ले ही नहीं सकते। वे सिर्फ वही करते हैं, जो अमेरिका और इजराइल उनसे करवाना चाहते हैं। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पश्चिम एशिया युद्ध में पाकिस्तान की मध्यस्थता की खबरों के बीच भारत की कोई भूमिका नहीं होने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि भारत की मौजूदा विदेश नीति प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत विदेश नीति है। इसका नतीजा सबके सामने है; हर कोई इसे एक वैश्विक मजाक मानता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अच्छी तरह जानते हैं कि मोदी जी क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि देश की विदेश नीति आज 'कॉम्प्रोमाइज्ड' है, क्योंकि मोदी खुद 'कॉम्प्रोमाइज्ड' हैं। उन्होंने इस दौरान भारत-अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते का हवाला भी दिया। राहुल गांधी ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर सोमवार को प्रधानमंत्री द्वारा लोकसभा में दिए गए वक्तव्य को पूरी तरह से अप्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि उनके वक्तव्य में दिखना चाहिए था कि हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री के तौर पर उनका रुख क्या है, लेकिन उनकी कोई पोजीशन ही नहीं है। उन्होंने दुख जताया कि प्रधानमंत्री के इस कमजोर रवैये का नुकसान देश के लोगों को होगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने पश्चिम एशिया संघर्ष से उपजे संकट को लेकर आगाह किया कि अभी तो शुरुआत हुई है। आने वाले दिनों में एलपीजी, पेट्रोल-डीजल, फर्टिलाइजर (खाद) समेत तमाम क्षेत्रों में समस्या पैदा होगी।

शहीद दिवस पर दिल्ली में जुटे देशभर के स्वतंत्रता सेनानियों के वंशज, सरकार से की अहम मांगें

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः शहीद दिवस के अवसर पर आज देश ने भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के कई संगठनों ने दिल्ली में एकजुट होकर शहीदों को नमन किया। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल महान क्रांतिकारियों के बलिदान को याद करना था, बल्कि एक साझा मंच के माध्यम से सरकार का ध्यान अपनी न्यायोचित मांगों की ओर आकर्षित करना भी था। उपस्थित प्रतिनिधियों ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के सम्मान, उनकी समस्याओं के समाधान और देश के समग्र विकास के लिए ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने शहीदों के आदर्शों को अपनाने और देशहित में मिलकर काम करने का संकल्प लिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह एकता देश के बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर देशभक्ति का माहौल देखने को मिला और सभी ने मिलकर शहीदों के सपनों का भारत बनाने का आह्वान किया।

आईडीडीए ने PEFI मुख्यालय एवं एफसीसी का दौरा किया

लोकतंत्र की शान

ग्रेटर नोएडा। समावेशी खेलों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल के अंतर्गत इंडियन डिसएबिलिटी डार्ट्स एसोसिएशन (आईडीडीए) तथा इंड कूल – मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया – के प्रतिनिधियों ने 22–23 मार्च 2026 को ट्विन टॉवर इन, ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय पैरा डार्ट्स प्रशिक्षण शिविर के आयोजन पश्चात फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (PEFI) के मुख्यालय का औपचारिक दौरा किया। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने PEFI के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. पीयूष जैन के साथ सौहार्दपूर्ण एवं सार्थक भेंटवार्ता की। आईडीडीए के राष्ट्रीय महासचिव महेंद्र सिंह के नेतृत्व में डॉ. जैन को स्मृति-चिह्न एवं विशेष रूप से तैयार किया गया फोटो-फ्रेम भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान समावेशी खेलों के प्रति उनके सहयोग और निरंतर प्रोत्साहन का प्रतीक रहा। इसी क्रम में आईडीडीए द्वारा PEFI के मीडिया प्रभारी दिनेश गौड़ को भी ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। समावेशी खेल गतिविधियों के प्रभावी प्रचार-प्रसार तथा दिव्यांग खिलाड़ियों की उपलब्धियों को व्यापक स्तर पर पहुँचाने में उनके योगदान की सराहना की गई। बैठक के दौरान दिव्यांग खिलाड़ियों को सशक्त बनाने, उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराने तथा देश में समावेशी और सुदृढ़ खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों संगठनों ने इस बात पर बल दिया कि ऐसे सहयोगात्मक प्रयास ही भारत में समावेशी खेल आंदोलन को नई दिशा और मजबूती प्रदान करेंगे। गौरतलब है कि PEFI को खेल एवं शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए महामहिम राष्ट्रपति द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है, जो संस्था की उत्कृष्ट कार्यशैली और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का प्रमाण है। तदुपरांत आईडीडीए के सात सदस्यीय दल, जिसका नेतृत्व अध्यक्ष अंकुर गुप्ता ने किया और जिसमें महेंद्र सिंह, संतोष गुप्ता, शैलेश कुमार, आदर्श कुमार, पूजा कुमारी एवं पंकज शामिल थे, ने फॉरेन कॉरेस्पॉन्डेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया का भी दौरा किया। वहां वरिष्ठ पत्रकार-लेखक प्रो. एस.एस. डोगरा द्वारा दल को सम्मानित किया गया। प्रो. डोगरा उक्त क्लब के सक्रिय सदस्य हैं। उन्होंने आईडीडीए टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समावेशी खेल राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक सशक्त माध्यम हैं तथा दिव्यांग खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इसी कड़ी में PEFI ने शॉल ओढ़ाकर तथा आईडीडीए ने विशेष रूप से डार्ट बोर्ड भेंट कर प्रो. एस.एस. डोगरा को खेलों को अपनी लेखनी के माध्यम से निरंतर प्रोत्साहित करने के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया। यह सम्मान खेल पत्रकारिता और समावेशी खेल आंदोलन को सशक्त स्वर देने के उनके दीर्घकालिक योगदान की सराहना का प्रतीक रहा। आईडीडीए ने सभी सहयोगी संस्थाओं एवं मार्गदर्शकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक दिव्यांग खिलाड़ी के लिए गर्व, सम्मान और समान अवसर का प्रतीक है। दोनों संस्थाओं ने मिलकर एक समावेशी, सशक्त और प्रेरणादायी खेल भारत के निर्माण हेतु भविष्य में भी संयुक्त रूप से कार्य करने का संकल्प दोहराया।

संक्षिप्त समाचार

जनता के दिलों पर राजः चौधरी मुशीर अली खान ने बदली संभल शहर की तस्वीर''

लोकतंत्र की शान : संभल : नगर पालिका के समाजसेवी व चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। अपनी सादगी, मिलनसार स्वभाव और हर वर्ग के लोगों के लिए हमेशा तत्पर रहने की भावना ने उन्हें जनता के दिलों में खास जगह दिलाई है। पिछले कुछ वर्षों में उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में संभल नगर पालिका क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। शहर की सड़कों का कायाकल्प, सफाई व्यवस्था में सुधार, सौंदर्यीकरण के कार्य और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार ने संभल की तस्वीर ही बदल दी है। शहर में हुए इन विकास कार्यों का असर अब आसपास के क्षेत्रों में भी साफ दिखाई दे रहा है। सूत्रों की मानें तो जब ग्रामीण क्षेत्र के लोग शहर में आते हैं, तो यहां के विकास को देखकर प्रभावित होते हैं और कहते हैं कि आने वाले समय में उनके क्षेत्र में भी ऐसा ही प्रतिनिधित्व होना चाहिए। चौधरी मुशीर अली खान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वे हर वर्ग—चाहे गरीब हो या अमीर, युवा हो या बुजुर्ग—सबकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। यही वजह है कि जनता का उनके प्रति भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है। अब देखने वाली बात यह होगी कि आने वाले समय में जनता का यह प्यार और समर्थन किस दिशा में जाता है। लेकिन फिलहाल, इतना तय है कि संभल की जनता के दिलों में चौधरी मुशीर अली खान के लिए जो सम्मान और मोहब्बत है, वह किसी भी राजनीतिक पहचान से कहीं बढ़कर है।

सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता का भाकियू बीआर अंबेडकर ने किया भव्य स्वागत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुर : मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता का हसनपुर नगर में भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया, बता ते चले कि गुर्जर समाज की सभा को संबोधित करने आए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रपति का किसान नेता डॉ दिग्विजय सिंह भाटी द्वारा फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया, उसके बाद सभा स्थल तक राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी एवं किसान नेता ट्रैक्टर द्वारा पहुंचे, बता दे कि किसान नेता दिग्विजय सिंह भाटी के नेतृत्व में गजरौला हसनपुर मार्ग पर बंद पड़े पेट्रोल पंप के निकट समाजवादी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया, इस संबंध में राजकुमार भाटी ने बताया कि 27 मार्च को गौतम बुद्ध नगर के दादरी में समाजवादी पार्टी की विशाल रैली होने जा रही है जिसमें अधिक से अधिक संख्या में लोगों से पहुंचने की अपील करने के लिए वह अपनों के बीच आए हैं उन्होंने बताया कि अखिलेश यादव की इस रैली के माध्यम से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 का औपचारिक शंखनाद करेंगे, इस महत्वपूर्ण आयोजन की पूरी जिम्मेदारी गुर्जर समाज को सौंप गई है जो इस रैली के मेजबान के रूप में कार्य करेगा, वही राजकुमार भाटी ने प्रदेश सरकार पर निशाना सदा किस दौरान स्वागत करने वालों में राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय सिंह भाटी, यशपाल सिंह, राहुल नागर, डॉक्टर नरेश सिंह, अमित गुर्जर, सोनू, अरविंद, नदीम, यासीन रईस सलमान आदि सहित भारी संख्या में भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर के कार्यकर्ता एवं अन्य समाज के लोग मौजूद रहे ।

घंटों लाइन में लगने के बाद भी नहीं मिल पा रहा गैस का भरा सिलेंडर

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुर : नगर में इन दोनों हसनपुर गजरौला मार्ग पर स्थित हसनपुर इंडियन गैस एजेंसी के गोदाम पर रोजाना सैकड़ो की संख्या में गैस उपभोक्ताओं को लाइन में लगे हुए देखा जा सकता है कारण है की हसनपुर गैस एजेंसी संचालकों द्वारा गैस का सुचारू रूप से वितरण नहीं किया जाना, गैस उपभोक्ता जिसमें महिला और बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं जो गैस सिलेंडर लेने के लिए सुबह 4 बजे से ही लाइन में खड़े हो जाते हैं लेकिन संचलको द्वारा गैस सिलेंडर की गाड़ी आने वाली है आने वाली है कहकर उपभोक्ताओं को सुबह से शाम तक लाइन में खड़ा कर जा रहा है तथा श्याम को गाड़ी अगले दिन आएगी कहकर उपभोक्ताओं को टाल दिया जाता है जिस कारण उपभोक्ता भूखे प्यासे धूप में एवं अपना काम का छोड़कर गैस लेने के लिए घंटा लाइनों में खड़े होने के बाद मायूस होकर लौट जाते हैं, ऐसे में अधिकारियों द्वारा हसनपुर इंडियन गैस एजेंसी पर सख्त सख्त एक्शन लेते हुए उपभोक्ताओं को सुचारू रूप से गैस वितरित किए जाने की मांग तेजी से उठ रही है, बताया जा रहा है कि हाल ही में अधिकारियों ने हसनपुर गैस एजेंसी के कुछ कनेक्शन की गैस नगर की सुचारू रूप से गैस वितरण कर रही सचिन इंडियन गैस एजेंसी को स्थानांतरित किए हैं, उपभोक्ताओं की मांग है की और उपभोक्ताओं को भी सचिन इंडियन गैस एजेंसी से गैस दिलवा दी जाए तो उपभोक्ताओं को और आसानी हो जाएगी अब देखना यह है कि अधिकारी इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं ।

लहरपुर विधानसभा में पार्टी कार्यालय का हुआ उद्घाटन

लोकतंत्र की शान, देवेंद्र सिंह

सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में जिले की लहरपुर विधानसभा में पार्टी कार्यालय का उद्घाटन पूजा पाठ एवं विधि विधान से किया गया।। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निवर्तमान सांसद व राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला उपस्थित रहे इस अवसर पर अपने भाषण में मुख्य अतिथि राजेश वर्मा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी लगातार जनविश्वास को प्राप्त कर सभी परीक्षाओं को जीत रही है आगामी समय में 2027 में होने वाला विधानसभा चुनाव पार्टी के लिए एवं कार्यकर्ताओं के लिए बहुत अहम है देश की आंतरिक और अंतरराष्ट्रीय पटल की वर्तमान व्यवस्थाएं देखकर यह हर व्यक्ति कह सकता है कि भारत के हर राज्य में कमल खिलना आवश्यक है। ऐसे में उत्तर प्रदेश मे 2027 में भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलेगा और उसी की तैयारी में पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी अपने दायित्व का निर्वहन कर रहा है आज लहरपुर में पार्टी कार्यालय उद्घाटन के साथ ही लहरपुर विधानसभा में भाजपा के कमल खिलाने की रणनीति का कार्य भी प्रारंभ हो गया है और आने वाले समय में यहां कमल खिलेगा अपने उद्बोधन में जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में सीतापुर की 9 विधानसभाओं में भाजपा की जीत सुनिश्चित हो इसके लिए हम सभी कार्यकर्ताओं ने अपना कार्य प्रबंध करना शुरू कर दिया है अब हमें गांव-गांव जाकर जन-जन को भाजपा के साथ जोड़कर 2027 में विजय की वह इबारत लिखनी है जिससे प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बनाई गई उत्तम व्यवस्थाएं संचालित रह सके उन्होंने बताया कि लहरपुर विधानसभा में भाजपा की जीत का प्रण लेकर ही हर कार्यकर्ता आज घर जाए जिससे आने वाले समय में लहरपुर विधानसभा में जीत का कीर्तिमान स्थापित हो कार्यक्रम में बोलते हुए निवर्तमान विधायक सुनील वर्मा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी भारत के प्रत्येक व्यक्ति की पार्टी है वह सभी के विकास के लिए प्रतिबद्ध है लहरपुर विधानसभा में मैंने अपने कार्यकाल में जन-जन के विकास का प्रयास किया था और आने वाले समय में 2027 में भारतीय जनता पार्टी की जीत के साथ ही रुके हुए विकास कार्यों को पुनः प्रारंभ किया जाएगा इस अवसर पर लहरपुर मंडल के अध्यक्ष कार्यकर्ता समर्थक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।।

विभिन्न मांगों को लेकर भाकियू (शंकर) ने किया धरना प्रदर्शन, क्रमिक अनशन जारी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। भारतीय किसान यूनियन (शंकर) ने स्थानीय जनसमस्याओं और किसानों के मुद्दों को लेकर मंगलवार को तहसील परिसर में विशाल धरना-प्रदर्शन किया। मदन सिंह सैनी की अध्यक्षता और कैप्टन वीर सिंह चौहान के संचालन में आयोजित इस पंचायत में सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने हुंकार भरी। समस्याओं का समाधान न होने पर संगठन ने तहसील परिसर में ही अनशन शुरू कर दिया है। पंचायत को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। जिसमें हसनपुर चीनी मिल द्वारा बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान और मिल का विस्तारीकरण।हाल ही में आए आंधी-तूफान और ओलावृष्टि से बर्बाद हुई फसलों का उचित मुआवजा।चकबंदी में व्याप्त भ्रष्टाचार पर लगाम और KCC (किसान क्रेडिट कार्ड) को लेकर बैंकों की मनमानी पर रोक। आवारा कुत्तों व छुट्टा गोवंश से सुरक्षा, बिजली संकट का समाधान और हसनपुर-अतरासी चौराहे पर लगने वाले भीषण जाम से मुक्ति।

जिला अध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन ने इन मांगों पर शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए, तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन के लिए बाध्य होगा। फिलहाल, समस्याओं के समाधान तक कैप्टन वीर सिंह चौहान, नेतराम सिंह और राकेश रतनपुर सहित कई पदाधिकारियों के नेतृत्व में क्रमिक अनशन जारी है। इस दौरान चौधरी धर्मवीर सिंह, बबीता रानी और ज्योति चौहान समेत भारी संख्या में महिला कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खाद्य विभाग की कार्रवाई के विरोध में नजीबाबाद के किराना व्यापारियों ने बंद रखीं दुकानें

» कल्लूगंज से तहसील तक निकाला पैदल मार्च, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन; ''कोटू आटा सैंपलिंग के नाम पर उत्पीड़न'' का आरोप

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। खाद्य विभाग की कथित सख्ती और सैंपलिंग कार्रवाई के विरोध में बुधवार को नजीबाबाद के किराना व्यापारियों ने एकजुट होकर अपनी दुकानों को बंद रखा और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सुबह से ही व्यापारी कल्लूगंज क्षेत्र में एकत्रित हुए, जहां से उन्होंने अपनी मांगों को लेकर पैदल मार्च निकाला। व्यापारियों का आरोप है कि कोटू के आटे (कुट्टू आटा) के सैंपल लेने के नाम पर खाद्य विभाग द्वारा उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है, जिससे व्यापारियों के बीच भय का माहौल बना हुआ है। व्यापारियों ने स्पष्ट किया कि उन्होंने पहले ही कुट्टू आटा न बेचने का निर्णय ले लिया है, इसके बावजूद विभागीय कार्रवाई जारी है, जो उचित नहीं है। प्रदर्शन के दौरान व्यापारियों ने कहा कि यदि किसी भी व्यापारी द्वारा गलत या मिलावटी सामान बेचे जाने की शिकायत मिलती है, तो व्यापार मंडल हमेशा प्रशासन का सहयोग करता आया है और आगे भी करता रहेगा। लेकिन बिना ठोस कारण के इस तरह की कार्रवाई से ईमानदार व्यापारियों को परेशान किया जा रहा है। कल्लूगंज से शुरू हुआ यह पैदल मार्च चौक बाजार होते हुए तहसील परिसर तक पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में व्यापारियों ने एकत्र होकर उप जिलाधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से व्यापारियों ने खाद्य विभाग की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए निष्पक्ष और न्यायसंगत कार्रवाई की मांग की। इस दौरान व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो भविष्य में और भी बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में नगर के बड़ी संख्या में किराना व्यापारी मौजूद रहे, जिससे बाजार क्षेत्र में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा।

चंद्रा कत्था इंडस्ट्रीज के एमडी व समाजसेवी साहू राकेश अग्रवाल का निधन, नगर में शोक की लहर

चंद्रा कत्था इंडस्ट्रीज के जरिए अनेक परिवारों का सहारा बने, समाजसेवा में भी निभाई अहम भूमिका

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। नगर के प्रतिष्ठित उद्योगपति, समाजसेवी एवं चंद्रा कत्था इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक, चंद्रा हाउस निवासी साहू राकेश अग्रवाल का लंबी बीमारी के चलते सोमवार रात लगभग 9 बजे निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई और व्यापारिक व सामाजिक क्षेत्र में गहरा दुख व्याप्त हो गया। बताया जाता है कि साहू राकेश अग्रवाल पिछले काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका उपचार दिल्ली के एक निजी अस्पताल में चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर जैसे ही नजीबाबाद पहुंची, परिवार, मित्रों, शुभचिंतकों और व्यापारिक जगत से जुड़े लोगों में शोक की भावना फैल गई। साहू राकेश अग्रवाल न केवल एक सफल उद्योगपति थे, बल्कि एक संवेदनशील और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी भी थे। उनका व्यवहार अत्यंत सरल और स्नेहपूर्ण था, जिससे वे हर वर्ग के लोगों के बीच लोकप्रिय थे। अपने मधुर स्वभाव और विनम्र वाणी के कारण उन्होंने समाज में एक अलग पहचान बनाई थी। उन्होंने चंद्रा कत्था इंडस्ट्रीज के माध्यम से न केवल उद्योग जगत में अपनी मजबूत पहचान बनाई, बल्कि क्षेत्र के विकास और रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके मार्गदर्शन में उद्योग ने नई ऊंचाइयों को छुआ और कई लोगों को आजीविका का साधन मिला। समाजसेवा के क्षेत्र में भी उनका योगदान सराहनीय रहा। वे समय-समय पर जरूरतमंदों की सहायता, धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में सक्रिय भागीदारी और जनहित के कार्यों में अग्रणी रहते थे। उनकी सादगी, सेवा भावना और उदारता उन्हें एक विशिष्ट स्थान प्रदान करती थी। उनके निधन से नजीबाबाद ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के सामाजिक एवं व्यापारिक जगत को अपूरणीय क्षति पहुंची है। नगर के गणमान्य लोगों, व्यापार मंडल, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

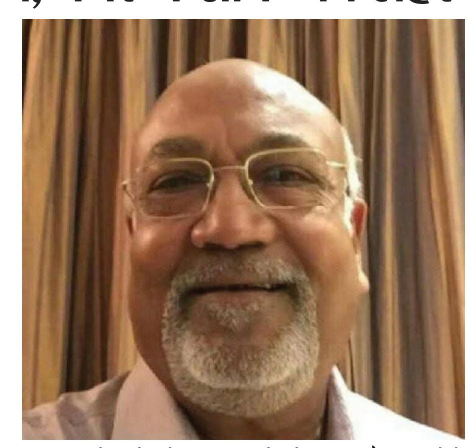

डर नहीं, हिम्मत से आगे बढ़ें'' – मिशन शक्ति 5.0 में महिलाओं को मिला सशक्तिकरण का संदेश

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी थाना हजरत नगर गढ़ी में पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद में संचालित मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के अंतर्गत थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र में महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत थाना प्रभारी सुधीर पवार के नेतृत्व में महिलाओं को महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महिलाओं को उनके अधिकारों, आत्मरक्षा के महत्व तथा बदलते समय में सतर्क रहने की आवश्यकता के बारे में बताया गया।

थाना प्रभारी सुधीर पवार का संदेश–थाना प्रभारी सुधीर पवार ने कहा कि ''मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, ऐसे में उनकी सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। किसी भी प्रकार का उत्पीड़न या अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'' उन्होंने आगे कहा कि ''महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए और किसी भी समस्या की स्थिति में बिना झिझक पुलिस की मदद लेनी चाहिए। पुलिस हमेशा उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर है।'' साथ ही अभियान के दौरान साइबर सुरक्षा जागरूकता पर विशेष जोर देते हुए महिलाओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया धोखाधड़ी आदि से बचने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम में उपस्थित महिला उपनिरीक्षक रश्मि मलिक ने विशेष रूप से बहन-बेटियों को संदेश देते हुए कहा कि ''आप खुद अपनी सबसे बड़ी ताकत हैं। डरकर पीछे हटने के बजाय हिम्मत के साथ आगे बढ़ें और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं। आने वाला समय महिलाओं का है, जहां वे न केवल अपने अधिकारों की रक्षा करेंगी बल्कि समाज को एक नई दिशा भी देंगी।'' उन्होंने साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए कहा कि ''ऑनलाइन दुनिया में भी सतर्क रहना उतना ही जरूरी है। किसी भी अनजान कॉल, लिंक या संदेश पर भरोसा न करें और अपनी निजी जानकारी साझा करने से बचें। साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहकर ही हम खुद को सुरक्षित रख सकते हैं।''

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरः महिलाओं की सुरक्षा हेतु जारी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में 112 (पुलिस हेल्पलाइन), 1090 (महिला पावर लाइन), 1091 (महिला हेल्पलाइन) एवं 181 (महिला सहायता हेल्पलाइन) पर तुरंत संपर्क करें। अंत में उन्होंने कहा कि ''पुलिस विभाग हर बहन-बेटी के साथ खड़ा है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करें, आपकी सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है।''

वैश्विक अनिश्चितता के दौर में यूपी बना सबसे सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश गंतव्यः सीएम योगी

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : दुनिया के कई हिस्सों में जारी अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता और अव्यवस्था के बीच भारत और विशेष रूप से उत्तर प्रदेश आज निवेश व व्यापार के लिए एक सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद वातावरण के रूप में उभरकर सामने आया है। इसी विश्वास को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 'निवेश मित्र 3.0' सिंगल विंडो सिस्टम के शुभारंभ अवसर पर कहा कि प्रदेश ने बीते 9 वर्षों में पारदर्शी नीतियों, सख्त कानून-व्यवस्था, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योग-अनुकूल माहौल के जरिए अपनी पहचान को पूरी तरह बदला है। आज उत्तर प्रदेश न केवल निवेशकों के लिए सुरक्षित गंतव्य बना है, बल्कि यहां उन्हें स्केलेबल बिजनेस के लिए अनुकूल इकोसिस्टम, विशाल उपभोक्ता बाजार, कुशल युवा मानव संसाधन और सीमलेस कनेक्टिविटी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं एक साथ उपलब्ध हो रही हैं। यही कारण है कि जो निवेशक पहले प्रदेश आने से हिचकते थे, आज वही यहां निवेश के लिए आगे आ रहे हैं और उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

योगी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर हसनपुर में हुआ कार्यक्रम, विधायक ने गिनाईं उपलब्धियां

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः मंगलवार को उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के सफलतापूर्वक 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हसनपुर नगर के एक बैंकट हॉल में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने शिरकत की और सरकार की जनहितकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को विस्तारपूर्वक जनता के समक्ष रखा। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी द्वारा फीता काटकर और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने विकास के ऐसे आयाम स्थापित किए हैं, जिनकी कल्पना पहले कठिन थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रदेश अब 'बीमारू' छवि से बाहर निकलकर विकास का इंजन बन चुका है। विधायक ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने विशेष रूप से 'कायाकल्प योजना' के तहत विद्यालयों की सुधरी स्थिति, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने और युवाओं के लिए सृजित रोजगार के अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''आज प्रदेश में कानून व्यवस्था इतनी सुदृढ़ है कि आम जन मानस खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप भारी निवेश आ रहा है।'' वहीं, सूचना विभाग लखनऊ से आई नुक्कड़ नाटक टीम ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान पर मार्मिक प्रस्तुति दी और सरकारी योजनाओं को रोचक ढंग से लोगों तक पहुंचाया। विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए थे। यहां अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया समझाई और पात्र लोगों को लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, ममता गुर्जर, अभिनव कौशिक, देवेंद्र खड़गवंशी, राजू गोयल, राजू राणा, संजय शर्मा, पंकज भटनागर,मयंक अग्रवाल,अंकुर अग्रवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम विकासखंड हसनपुर द्वारा आयोजित किया गया था, इस मौके पर प्रशासनिक स्तर पर खंड विकास अधिकारी हसनपुर विजय कुमार सक्सेना, हसनपुर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह,जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार,यशपाल सिंह,राजपाल भड़ाना, श्री ओम सैनी, मीनू रानी, राजवीर सिंह, सहित अन्य अधिकारी व भारी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

आसिफ खान बने समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव,कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

लोकतंत्र की शान

महमूदाबाद सीतापुर : समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने संगठन विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाते हुए आसिफ खान को समाजवादी अल्पसंख्यक सभा का प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। उनकी इस नियुक्ति की घोषणा होते ही समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। आसिफ खान की नियुक्ति की खबर मिलते ही उनके समर्थकों ने मिठाई बाँटकर और आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया। कार्यकर्ताओं का मानना है कि आसिफ खान को यह जिम्मेदारी मिलने से प्रदेश में अल्पसंख्यक समाज के बीच पार्टी की पकड़ और अधिक मजबूत होगी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शकील नदवी पूर्व मंत्री ने बताया की पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी मे लोगो को जोड़ा जा रहा है इसके आलावा बड़े पैमाने पर कार्यकर्ता बनाए जाएगे उन्होंने कहा की सीतापुर मे आसिफ खान से पार्टी को मज़बूती मिलेगी इस मौके पर आसिफ खान ने पार्टी नेतृत्व का जताया आभार अपनी नई जिम्मेदारी पर प्रतिक्रिया देते हुए आसिफ खान ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहाः ''पार्टी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूँगा। हमारा मुख्य उद्देश्य अल्पसंख्यक समाज को एकजुट करना और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाना है।'' आसिफ खान नवनियुक्त प्रदेश सचिव बधाइयों का लगा तांता सोशल मीडिया से लेकर जमीन तक आसिफ खान को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। स्थानीय नेताओं और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई है कि उनके संगठनात्मक कौशल का लाभ आने वाले चुनावों में पार्टी को स्पष्ट रूप से मिलेगा सपा अल्पसंख्यक सभा के जिला सचिव डॉ शफीक खान, पार्टी कारकर्ता तबरेज़ खान भी मौजूद रहे वही पूर्व मंत्री नरेंद्र सिँह वर्मा, सपा जिला अध्यक्ष छतरपाल यादव, सपा नेता काय्यूम प्रधान, अध्यक्ष नगर पालिका आमिर अराफात, ज़ीशान अहमद खान, मो इश्तीयाक शाद, आज़ाद राइन,सकेंन्द्र यादव, शिवेंद्र यादव, लवकुश यादव, प्रवीण यादव, राज यादव, संजय शुक्ला, अमर शुक्ला, सरताज नेता, मेराज अहमद जिला अध्यक्ष, सुहैल फारुकी नगर अध्यक्ष,राहुल शुक्ला, वाहिदुल हसन,मुस्लिम रहमानी, आफ़ताब सलमानी, मोईन राइन,समेत सैकड़ो कार्यकर्ताओ नेताओं ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया

संक्षिप्त समाचार

कमल साह हत्याकांड में दूसरा नामजद अभियुक्त अरेस्ट, रुपए के लेनदेन को लेकर हुई थी हत्या

लोकतंत्र की शान , पटना : हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र में हुए कमल साह हत्याकांड के दूसरे नामजद अभियुक्त मो. सिराजुल को गिरफ्तार कर लिया गया है। कमल साह की हत्या 22 अक्टूबर 2025 को रुपए के लेनदेन के विवाद में हुई थी। इस हत्याकांड के संबंध में लालगंज थाने में कांड संख्या 529/25 दर्ज किया गया था। घटना के तुरंत बाद एक अन्य नामजद अभियुक्त मो. शमशाद को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। मो. सिराजुल की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। 22 मार्च 2026 की रात लालगंज थानाध्यक्ष ने उसे उसके पैतृक गांव पोझियां से गिरफ्तार किया। मो. सिराजुल, जो पोझियां गांव निवासी मो. जलील का बेटा है, को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि सिराजुल पहले भी पुलिस अभिरक्षा से फरार हो चुका है। उस पर लालगंज थाने में दो अन्य आपराधिक मामले (कांड संख्या 436/23 और 371/24) भी दर्ज हैं।

छठ पर उमड़ी आस्था की भीड़, सीढ़ी-आश्रम घाट पर पहुंचे श्रद्धालु, डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगी व्रती

लोकतंत्र की शान , पटना : मुजफ्फरपुर। लोक आस्था के महापर्व चैती छठ के अवसर पर मुजफ्फरपुर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला है। शहर के अलग-अलग छठ घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। खासकर सिकंदरपुर के सीढ़ी घाट और आश्रम घाट पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब देखने को मिला। मंगलवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए दोपहर बाद से ही घाटों पर लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। सीढ़ी घाट पर शाम करीब 4 बजे से ही व्रती और उनके परिजन पहुंचने लगे। देखते ही देखते 4:30 बजे के बाद भीड़ में तेजी से इजाफा हुआ और घाट पूरी तरह श्रद्धालुओं से भर गया। व्रती ने पूरे विधि-विधान के साथ नदी में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। घाटों पर छठ गीतों की गूंज, दीपों की रोशनी और पूजा-अर्चना का माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में छठी मइया की आराधना करती नजर आईं। सिकंदरपुर सीढ़ी घाट और आश्रम घाट पर सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए थे। घाटों की साफ-सफाई, रोशनी और सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। चैती छठ के इस पावन अवसर पर पूरा शहर आस्था में डूबा नजर आया। अब बुधवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय इस महापर्व का समापन होगा।

हिंसक झड़प का सीसीटीवी वीडियो, आपसी विवाद में पथराव और मारपीट, 11 लोगों पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

लोकतंत्र की शान , पटना : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के गुदरी रोड पर रविवार देर शाम हुई हिंसक झड़प का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। आपसी वर्चस्व को लेकर शुरू हुआ यह विवाद मारपीट और पथराव में बदल गया। इस मामले में 11 लोगों पर घर में घुसकर रेप के प्रयास का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने चार आरोपियों को हिरासत में लिया है। फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान कर रही है। जानकारी के अनुसार दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। यह विवाद अचानक बढ़ गया, जिसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। झड़प के दौरान लाठी-डंडों का इस्तेमाल किया गया और एक-दूसरे के घरों पर पथराव भी किया गया। इस हिंसक घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना नगर थाना क्षेत्र की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए QRT के साथ-साथ बेला, सदर, ब्रह्मपुरा, काजी मोहम्मदपुर और सिकंदरपुर थानों की पुलिस को भी बुलाया गया। इलाके में तनाव को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और लगातार निगरानी की जा रही है। यह पूरा घटनाक्रम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया है। वीडियो फुटेज में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि दोनों पक्ष किस तरह एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं। पुलिस अब इन्हीं फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की तैयारी में है। पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस को दिए गए आवेदन में 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। आरोप लगाया गया है कि आरोपी घर में घुस गए और महिलाओं के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। थानाध्यक्ष अनोज कुमार ने बताया कि आपसी विवाद में मारपीट और पथराव की घटना हुई है। दोनों पक्षों से चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। CCTV फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। आवेदन के आधार पर 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिसमें घर में घुसकर दुष्कर्म की कोशिश का आरोप भी शामिल है।

लुटेरा गैंग के पति-पत्नी अरेस्ट, स्टेशन पर अकेली महिला को बेहोश कर लूटा

लोकतंत्र की शान , पटना : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जंक्शन पर महिला रेल यात्रियों को निशाना बनाने वाले पति-पत्नी लुटेरा गैंग का रेल पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी स्टेशनों पर अकेली और भोली-भाली महिलाओं को निशाना बनाकर नशा खिलाते थे और फिर उनके गहने व सामान लूटकर फरार हो जाते थे। पकड़े गए आरोपी सदर थाना क्षेत्र के पताही के रहने वाले पंकज कुमार और उसकी पत्नी संयोगिता कुमारी हैं। दोनों रात के समय स्टेशन पर सक्रिय रहते थे और शिकार की तलाश में घूमते थे। हाल ही में दोनों ने एक बुजुर्ग महिला को अपना शिकार बनाया था। प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर महिला बेहोशी की हालत में मिली थी, जिसे जीआरपी ने इलाज के लिए अस्पताल भेजा। होश में आने के बाद महिला ने बताया कि एक दंपति ने उसे कोल्ड्रिंक (माजा) पिलाया था, जिसके बाद वह बेहोश हो गई और उसके गहने गायब थे। मामले की जांच के दौरान जंक्शन पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया, जिसमें दोनों आरोपी नजर आए। इसके बाद आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर प्लेटफॉर्म संख्या-6 से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के पास से सोना तौलने की मशीन, एक टैब, लोहे का कटर समेत अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार ये सामान लूट के गहनों को काटने और बेचने में इस्तेमाल किया जाता था। रेल डीएसपी रौशन कुमार ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

21 जेलों में बनेंगे 44 आवासीय भवन, 88.89 करोड़ होंगे खर्च

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार सरकार ने कारा कर्मियों के लिए आवासीय सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण योजना को मंजूरी दी है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को बताया कि राज्य की 21 काराओं में कुल 44 बी-टाइप (जी+3) आवासीय भवनों का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भवन की लागत 202.04 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जिसके आधार पर कुल परियोजना की अनुमानित लागत 88 करोड़ 89 लाख 76 हजार रुपये तय की गई है। इस योजना का क्रियान्वयन वित्तीय वर्ष 2025-26 और आने वाले वर्षों में चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने बताया कि यह योजना बिहार कारा हस्तक 2012 के नियमों के तहत लागू की जा रही है। इसके अनुसार मुख्य कक्षपाल और उससे ऊपर के अधिकारियों को कारा परिसर में किराया मुक्त आवास उपलब्ध कराना अनिवार्य है। साथ ही 10 प्रतिशत कक्षपालों को पारिवारिक आवास और शेष को एकल आवासीय सुविधा देने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में 5034 कक्षपाल पद स्वीकृत हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए मौजूदा और भविष्य की जरूरतों के अनुसार आवासीय ढांचे का विस्तार किया जा रहा है।

सम्राट चौधरी ने बताया कि मुजफ्फरपुर-02, पूर्णिया-03, मोतिहारी-04, आरा-02, भभुआ-02,बेतिया-01, सिवान-02, दरभंगा-02, मधुबनी-02, सीतामढ़ी-02, सुपौल-02, कटिहार-02, किशनगंज-02, सहरसा-02, बेगूसराय-02, जमुई-02, लखीसराय-02, मुंगेर-02, शेखपुरा-02, औरंगाबाद-02 और नवादा-02 सहित 21 काराओं में कुल 44 भवनों का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने के लिए सरकार लगातार आधारभूत संरचना के विकास पर काम कर रही है। हाल ही में पूर्वी चंपारण, अररिया, सारण, बेगूसराय और किशनगंज में थाना भवन और अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 46.34 करोड़ रुपये की योजना को स्वीकृति दी गई है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के पूर्ण होने के बाद कारा कर्मियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उन्हें काम करने के लिए अनुकूल वातावरण मिलेगा और जेल प्रशासन की कार्यक्षमता में भी सुधार होने की उम्मीद है।

एलपीजी आपूर्ति पर जिला प्रशासन सख्त, निगरानी बढ़ाने के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिले में रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) की वर्तमान स्थिति की समीक्षा के दौरान इंडेन (Indane), भारतगैस (Bharatgas) और एचपी गैस (HP Gas) के माध्यम से गैस आपूर्ति की स्थिति का आकलन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में इंडेन के कुल 17 वितरक कार्यरत हैं। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है, हालांकि मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है। जिला प्रशासन ने सभी गैस एजेंसियों को निर्देश दिया है कि उपभोक्ताओं को समय पर गैस की डिलीवरी सुनिश्चित करें तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने और शिकायतों के त्वरित निपटान के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि किसी प्रकार की अनियमितता या अधिक कीमत वसूली की शिकायत तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

बिहटा-सरमेरा के पास 30 एकड़ में 40.54 करोड़ से कैंपस

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-एक (बीएमपी-वन यानी गोरखा बटालियन) का मुख्यालय नौबतपुर जाएगा। नौबतपुर के चर्रा गांव में 30 एकड़ में इस बटालियन के लिए नया भवन बनेगा। इसमें जवानों के लिए बैरक से लेकर प्रशासनिक दफ्तर व अन्य निर्माण होंगे। 30 एकड़ जमीन मिल गई है। पूरे निर्माण कार्य में 40 करोड़ 54 लाख 41 हजार 38 रुपये की लागत आएगी। इसी कैंपस में ट्रेनिंग सेंटर भी होगा। अभी गोरखा बटालियन का मुख्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, पूर्वी क्षेत्र के पास हवाई अड्डा के कार्गो से कुछ दूर है। यह जमीन वेटनरी कॉलेज की है।

अभी इस बटालियन में 1300 जवान हैं। एडीजी आधुनिकीकरण सुधांशु कुमार ने बताया कि बीसैप-वन मुख्यालय भवन के अलावा पिछले तीन महीनों के दौरान 49 करोड़ 78 लाख रुपये के अलग-अलग भवनों की स्वीकृति भी दी गई है। इसमें चार थाना भवन, एक एसपी आवास सह कार्यालय और दो अनुमंडल स्तरीय कार्यालय शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर जल्द ही निर्माण शुरू होने जा रहा है। सभी थानों के भवन तीन मंजिला होंगे और इनमें जरूरी फर्नीचर भी लगाए जाएंगे।

पहले रांची में थी यह बटालियन पहले गोरखा बटालियन रांची के धुर्वा में थी। साल 2000 में जब बिहार से झारखंड अलग हुआ तब बीएमपी-वन रांची से पटना शिफ्ट हुआ। वेटनरी कॉलेज के पास कैंपस मिला। 2002 में बिहार में इस बटालियन का गठन किया गया। 30 एकड़ जमीन नौबतपुर मुख्यालय से लगभग 6.5 किलोमीटर की दूरी पर बिहटा-सरमेरा फोरलेन से सटी हुई है। नए कैंपस में स्थायी भवन, बैरक, परेड मैदान और प्रशासनिक ढांचे का निर्माण किया जाएगा। वहां ट्रेनिंग सेंटर भी खुलेगा।

विश्व यक्ष्मा दिवस पर सहरसा में जागरूकता रैली 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान की शुरुआत

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः विश्व यक्ष्मा दिवस के अवसर पर मंगलवार को समाहरणालय, सहरसा से जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार एवं उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली का शुभारंभ किया। यह रैली समाहरणालय से शुरू होकर रमेश झा महिला कॉलेज, जिला स्वास्थ्य समिति होते हुए सदर अस्पताल में संपन्न हुई। रैली में जीएनएम, एएनएम एवं पैरामेडिकल के छात्र-छात्राओं ने टीबी की रोकथाम से जुड़े नारों के माध्यम से आम लोगों को जागरूक किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने "टीबी मुक्त भारत" अभियान के तहत हैंड-होल्ड एक्स-रे मशीन युक्त वाहन को भी रवाना किया। आधुनिक तकनीक से लैस इस मशीन के जरिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की मदद से टीबी की शीघ्र पहचान और समय पर इलाज संभव हो सकेगा। जिले में आज से 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान की भी विधिवत शुरुआत की गई है। इसके सफल संचालन के लिए सभी प्रखंडों में विस्तृत माइक्रोप्लान तैयार किया गया है, जिसके तहत उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर टीबी मरीजों की पहचान और उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, सहरसा जिले में वर्तमान में 5087 टीबी मरीज (सरकारी एवं निजी) प्रथम पंक्ति के उपचार पर हैं, जबकि 25 मरीज द्वितीय पंक्ति के इलाज पर हैं। सिविल सर्जन ने बताया कि सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में टीबी की जांच एवं दवाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं। साथ ही उच्च जोखिम क्षेत्रों में सक्रिय खोज अभियान (ACF) भी चलाया जाएगा। जिला यक्ष्मा केंद्र के संचारी रोग पदाधिकारी ने बताया कि समय पर इलाज और पौष्टिक आहार से टीबी पर पूर्ण नियंत्रण संभव है। उन्होंने कहा कि एक टीबी मरीज लगभग 15 अन्य लोगों को संक्रमित कर सकता है, इसलिए जागरूकता और समय पर उपचार बेहद जरूरी है। उन्होंने वर्ष 2030 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य हासिल करने का विश्वास जताया। कार्यक्रम में डॉ. हरी शेखर भारती (प्रभारी सिविल सर्जन), डॉ. एस. के. आजाद (संचारी रोग पदाधिकारी), जिला कार्यक्रम प्रबंधक बिनय रंजन, जिला लेखा प्रबंधक सनोज कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग एवं सहयोगी संस्थाओं के कई अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण मामलों की समीक्षा, पीड़ितों को शीघ्र न्याय व मुआवजा देने के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः समाहरणालय में मंगलवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की समीक्षा करते हुए पीड़ितों को समयबद्ध न्याय एवं मुआवजा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में विधायक डॉ. इरफान प्रसाद गुप्ता, पुलिस अधीक्षक, जिला कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति रही। समीक्षा के दौरान निर्देश दिया गया कि हत्या, बलात्कार जैसे गंभीर मामलों में पीड़ित पक्ष को न्यायालय में मजबूती से प्रस्तुत किया जाए, ताकि दोषियों को शीघ्र सजा मिल सके। इसके लिए विशेष लोक अभियोजक को प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि हल्का स्तर के मामलों में मृतकों के आश्रितों को दिसंबर 2025 तक मुआवजा राशि का भुगतान किया जा चुका है। साथ ही, लंबित मामलों में भी तेजी लाते हुए पात्र लाभुकों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। बैठक में यह भी बताया गया कि हाल की अवधि में कई पीड़ितों को मुआवजा राशि का भुगतान किया गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा पीड़ितों को सरकार द्वारा निर्धारित सभी लाभ समय पर उपलब्ध कराए जाएं। बैठक के अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यवाही समाप्त की गई।

सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त, निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों के पालन के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा,मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से समाहरणालय स्थित सभागार में जिलाधिकारी सह अध्यक्ष, जिला सड़क सुरक्षा समिति, श्री दीपेश कुमार (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की वर्तमान सड़क सुरक्षा स्थिति की गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्माणाधीन पुलों, सड़कों एवं अन्य परियोजनाओं पर सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण स्थलों पर सेफ्टी रिबन, बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक (साइन बोर्ड), रिफ्लेक्टर एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना का सामना न करना पड़े। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। ओवरस्पीडिंग पर नियंत्रण, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग, नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई तथा यातायात नियमों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष बल दिया गया। जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग, पुलिस विभाग, पथ निर्माण विभाग सहित सभी संबंधित एजेंसियों को आपसी समन्वय स्थापित कर नियमित जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) की पहचान कर वहां त्वरित सुधारात्मक कार्य सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा, स्कूलों, कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए, ताकि आम लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी आवश्यक कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया।

27 जिलों में लगेंगे एएनपीआर कैमरे

लोकतंत्र की शान , पटना

राजधानी पटना में 20 और नए स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसका मकसद ट्रैफिक जाम से निजात दिलाना, अपराधियों की पहचान करना और ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। करीब तीन महीने पहले पटना में 30 स्थानों पर कैमरे और ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए थे। फिलहाल, पूरे जिले में 3300 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। वहीं 58 ट्रैफिक सिग्नल काम कर रहे हैं। ट्रैफिक एडीजी सुधांशु कुमार ने बताया कि बिहार के चारों स्मार्ट सिटी और सभी प्रमंडलीय मुख्यालयों के अलावा कुल 27 जिलों में एएनपीआर कैमरे लगेंगे। पटना के प्रमुख स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल और कैमरे लगाए जाने की योजना है। मीठापुर न्यू बाइपास पुल के नीचे, मलाही पकड़ी, करबिगहिया चौधरी पेट्रोल पंप, मुन्ना चक, डीपीएस मोड़ सर्विस रोड दक्षिणी छोर, गोला रोड सर्विस रोड चौराहा उत्तरी लेन, रूपसपुर पुल वेस्ट साइड उत्तरी लेन, रूपसपुर पुल ईस्ट साइड, आरा गार्डन मोड़, आंबेडकर पथ मोड़, त्रिभुवन मोड़, आयुक्त कार्यालय मोड़, स्वामी नंदन तिराहा, गोरैया टोली, जीपीओ के नीचे, डंकी इमली, एनआईटी मोड़, आर ब्लॉक नीचे। स्मार्ट सिटी और पटना ट्रैफिक पुलिस ने राजधानी में ट्रैफिक लाइट और सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए सर्वे किया है।

बिहार में बिना लाइसेंस नहीं चलेंगे मीट शॉप

लोकतंत्र की शान , पटना

धार्मिक स्थल-स्कूल, भीड़ वाले क्षेत्र में विशेष निगरानी, राज्य में 11 नए टाउनशिप भी बनेंगे

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का बड़ा ऐलान किया है। अब अवैध मांस की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगेगा। बिहार में बिना लाइसेंस एक भी मीट शॉप नहीं चलेगा। धार्मिक स्थल, स्कूल, भीड़ वाले क्षेत्र में विशेष निगरानी की जाएगी। पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली बंद किया जाएगा। सभी पार्किंग स्थलों पर एक रेट चार्ट होगा। इसके अलावा कहा कि बिहार में 11 नए टाउन शिप बनाने का फैसला लिया गया है। सभी टाउनशिप को प्लांड सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। किसी भी नए शहर के विकास को सभी सुविधाओं के साथ विकसित करेंगे। उन्होंने कहा कि ग्रीन सिटी को लेकर सरकार लगातार काम कर रही है। पहली बार सभी नगर निकायों का ऑडिट किया जा रहा। CAG की ओर से अब सभी नगर निकायों का ऑडिट होगा। पहले विभाग के चार्टर एकाउंटेंट से ऑडिट होता था, अब CAG की ओर से ऑडिट किया जाएगा। दरअसल, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने नगर विकास एवं आवास विभाग के 100 दिन की उपलब्धि गिनाई। उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार लगातार विकास कर रही है।

रजिस्ट्रेशन वाले ही लगा सकते होर्डिंगः उन्होंने होर्डिंग लगाने को लेकर निर्देश जारी किया है। अब जिसका रजिस्ट्रेशन होगा, वही होर्डिंग लगा सकता है, बाकी सभी अवैध माने जाएंगे। वहीं, सशक्त स्थाई समिति पहले चयन किया जाता था। अब सभी पार्षदों के वोट से सशक्त स्थाई समिति के सदस्य चुने जाएंगे। दूसरी ओर अतिक्रमण मुक्त करने के लिए लगातार कार्रवाई जारी है। मॉनसून पूर्व तैयारी के लिए नगर विकास विभाग ने वॉट्सऐप नंबर जारी किया जा रहा। कोई भी व्यक्ति नाले जाम या अतिक्रमण की जानकारी दे सकते है। सभी कार्यपालक पदाधिकारी को स्थाई मोबाइल नंबर दिया गया है। अधिकारी बदलने के बाद नंबर नहीं बदलेगा।

सभी नक्शा डिजिटल रूप से पास कराया जाएगाः उन्होंने ये भी जानकारी दी कि डस्टबिन में अनियमितता मिली थी, जिसकी जांच की जा रही है। स्वच्छता के नाम पर अब सिर्फ खानापूर्ति नहीं चलेगी। प्रधान सचिव के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई जा रही है। वहीं, बिल्डिंग बायलॉज संशोधन का प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

शहर में बीमारी का कारण बन रहे मच्छर-जय सिंह

(ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

लोकतंत्र की शान सीधी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता जय सिंह राजू ने अपने बयान में कहा कि शहर में बढ़ती गंदगी और खराब सफाई व्यवस्था के चलते इन दिनों मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण लोग विभिन्न प्रकार की बीमारियों से जूझ रहे हैं, जिससे आम जनता काफी परेशान है। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में नालियों की समय पर सफाई नहीं हो रही है, जिससे जगह-जगह पानी जमा हो रहा है और मच्छरों को पनपने का मौका मिल रहा है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को इसका सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ रहा है। जय सिंह राजू ने नगर प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तत्काल प्रभाव से सफाई व्यवस्था में सुधार करने और मच्छरों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

विश्व टीबी दिवस पर जुबिलेंट में हुआ क्रिकेट मैच का आगाज

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः गजरौला। विश्व टीबी दिवस पर जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में चार दिवसीय क्रिकेट मैच शुरू हो गया। पहले दिन उमंड डेयरी और निर्मल फाइवर की टीमें भिड़ीं। मंगलवार की शाम जुबिलेंट की फर्स्ट कालोनी में क्रिकेट मैच का शुभारंभ जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड के साइट हेड विनोद झा ने टॉस उछालकर किया। निर्मल फाइवर के कप्तान शुभम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्र रक्षण का फैसला लिया। उमंग डेयरी की टीम ने निर्धारित जस ओवरों में नौ विकेट गंवाकर 113 रन बनाए। मैच के एंपायर विष्णु राणा एवं संजीव वर्मा जबकि स्कोरर प्रमोद प्रजापति, महेंद्र मौर्य, मंदीप और ब्रजेश यादव रहे। इस मौके पर जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित के साथ ही डा. सुजिंदर फोगाट, पराग गोयल, विशाल गौरव, डा.नितिन राय, प्रताप महापात्रा, देवेंद्र पंवार, एन प्रियदर्शन, सुमित गर्ग आदि भी मौजूद रहे।

देहरादून निवासी अहसान मकरानी व सपा नजीबाबाद के निवर्तमान विधानसभा अध्यक्ष नईम मकरानी ने आज क्षेत्रीय विधायक तसलीम अहमद के कार्यालय पहुंचकर शिष्टाचार भेंट की

लोकतंत्र की शान : खिज़र अहमद : इस दौरान विधायक तसलीम अहमद से क्षेत्र के विकास, जनसमस्याओं और संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बातचीत का माहौल सौहार्दपूर्ण रहा, जहां आपसी सहयोग और जनता के हित में मिलकर कार्य करने पर जोर दिया गया। विधायक तसलीम अहमद ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए वह निरंतर प्रयासरत हैं और सभी के सहयोग से विकास कार्यों को और गति दी जाएगी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने इस मुलाकात को सकारात्मक बताते हुए क्षेत्र में बेहतर समन्वय और विकास की उम्मीद जताई।

संभलः रास्ते में कहासुनी से बढ़ा विवाद, पुलिस ने संभाली स्थिति

लोकतंत्र की शान : संभल /सिरसी थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र, मिलक सिरसी ग्राम में उस समय तनाव की स्थिति बन गई जब एक ग्राम प्रधान अपने साथियों के साथ दफन से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते बढ़कर विवाद में बदल गई। मौके पर स्थिति बिगड़ती देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना हजरतनगर गढ़ी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए दोनों पक्षों के लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मामले में ग्राम प्रधान समेत अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नीमराना के घीलौट औद्योगिक क्षेत्र में ट्रांस एसी कंपनी में भीषण आग, घंटों बाद पाया काबू

लोकतंत्र की शान : जयपुर। कोटपुतली-बहरोड़ जिले के नीमराना उपखंड क्षेत्र के घीलौट औद्योगिक क्षेत्र स्थित ट्रांस एसी कंपनी में मंगलवार तड़के भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। आग की सूचना मिलते ही आसपास के क्षेत्रों से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। नीमराना इंडियन जोन से दो, जापानी जोन से एक, बहरोड़ नगर परिषद, सोतनाला, कोटपूतली से एक-एक दमकल, शाहजहांपुर स्थित विकास ईकोटेक कंपनी और एएलपी कंपनी की दमकल सहित कुल 12 दमकल वाहनों को आग बुझाने में लगाया गया। नीमराना इंडियन जोन के फायर ऑफिसर मेघराज यादव और घीलौट दमकल केंद्र प्रभारी मंजीत के नेतृत्व में दमकल कर्मियों ने करीब साढ़े चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। यह कंपनी वोल्वो बसों और ट्रेनों के लिए एयर कंडीशनर (एसी) बनाने का काम करती है। आग की इस घटना में कंपनी को करोड़ों रुपये के नुकसान का अनुमान है। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी चारुल गुप्ता और शाहजहांपुर थाना प्रभारी प्रक्रिता चौधरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

यमुनानगर में गैस सिलेंडर जांच अभियान तेज

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर के साढौरा क्षेत्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर घरेलू गैस सिलेंडरों के संभावित दुरुपयोग को रोकने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई में गठित टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नियमों के अनुपालन की स्थिति का आकलन किया। उपमंडल प्रशासन के नेतृत्व में गठित टीम ने कस्बे के ढाबों, मिष्ठान भंडारों तथा अन्य व्यापारिक इकाइयों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान गैस सिलेंडरों के प्रकार और उनके उपयोग की गहनता से जांच की गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घरेलू गैस का प्रयोग व्यावसायिक गतिविधियों में न हो रहा हो। जांच के दौरान सभी स्थानों पर व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का ही उपयोग पाया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि संबंधित प्रतिष्ठान निर्धारित नियमों का पालन कर रहे हैं।

अस्पताल में युवक के साथ डॉक्टर ने की मारपीट

» विवाद की खबर मिलते ही मौके पर पहुंचे कोतवाली टीआई

» मारपीट करने वाले डॉक्टर के खिलाफ सिविल सर्जन ने शुरू की जांच

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है, एक तरफ जनप्रतिनिधि अपने अपने आदमियों को प्रभार दिलाने में राजधानी तक रगड़ कर रहे हैं दूसरी तरफ कुछ डॉक्टर इसे अखाड़ा का रूप दे दिए हैं। गौरतलब हो कि कमर्जी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोल्हूडीह निवासी अर्पित जोगी का विवाद गांव के ही कुछ लोगों से हो गया था, जिसकी शिकायत करने पर कमर्जी पुलिस द्वारा मेडिकल के लिए उसे जिला अस्पताल भेजा था, जहां मेडिकल कराने बाद पीड़ित व्यक्ति द्वारा उक्त डॉक्टर जिन्होंने मेडिकल किया उसके संबंध में जानकारी लेने पहुंचा तो ड्यूटी में तैनात एक डॉक्टर को इतना गुस्सा आया कि वह पीड़ित पर हमला कर बैठे। तत्संबंध में मिली जानकारी अनुसार जिले के ग्राम कोल्हुडीह में एक पुराने विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां पहले गांव में युवक के साथ मारपीट हुई और इसके अगले ही दिन अस्पताल परिसर में भी विवाद बढ़ गया। जानकारी के अनुसार, अर्पित जोगी 19 पिता श्याम सुन्दर जोगी के साथ सोमवार दोपहर करीब 3 बजे पेट्रोल टंकी के पास मारपीट की घटना हुई। अर्पित ने आरोप लगाया कि मनीष तिवारी और पप्पू तिवारी ने उस पर हमला किया। बताया जा रहा है कि यह विवाद करीब एक साल पहले उसके भाई मोहित जोगी के साथ हुए मामूली झगड़े को लेकर चला आ रहा थाए जो अब हिंसा में बदल गया। घटना के बाद मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे अर्पित जोगी अपनी मां बिट्टन जोगी के साथ कमर्जी थाना पुलिस के साथ मेडिकल परीक्षण कराने अस्पताल पहुंचा था। यहां एक नया विवाद खड़ा हो गया। अर्पित का आरोप है कि उसने डॉक्टर असलम खान से अपनी एमएलसी रिपोर्ट के बारे में जानकारी मांगी, जिस पर डॉक्टर ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। विरोध करने पर डॉक्टर ने उसे थप्पड़ मारे और चाकू जैसी नुकीली वस्तु से उसके हाथ पर वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद अर्पित और उसकी मां ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंचे कोतवाली नगर निरीक्षक

अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी द्वारा घटना की सूचना कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय को दी गई, सूचना मिलते ही वह अस्पताल आ पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। इस पूरे घटनाक्रम पर सिविल सर्जन डॉ. एसबी खरे ने भी गंभीरता दिखाई है। उन्होंने बताया कि डॉ. असलम खान के खिलाफ उन्हें पहले भी शिकायतें मिल चुकी हैं और इस बार वे स्वयं थाने में शिकायत दर्ज कराएंगे तथा नोटिस जारी कर कार्रवाई करेंगे। थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय ने बताया कि युवक की शिकायत के आधार पर जांच जारी है और मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे मामले में पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है।

अस्पताल परिसर में मचा हड़कंप

पीड़ित युवक के साथ डॉक्टर असलम खान द्वारा की गई गाली गलौच एवं मारपीट की घटना का वीडियो जहां सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है वहीं इस घटना के बाद अस्पताल में उपचार कराने आए अन्य मरीजों एवं उनके परिजनों में भय का माहौल देखा गया है। बता दें कि एक तरफ पीड़ित परिवार जहां डॉक्टर के खिलाफ कार्यवाही की मांग करते हुए रो रो कर गुहार लगा रहा था तो दूसरी तरफ पीड़ित व्यक्ति के साथ लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा, गनीमत रही कि कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय स्वयं दल बल के साथ मौके पर पहुंच गए थे जिन्होंने तत्काल मामले को शांत कराने में लग गए और समय रहते लोगों का आक्रोश थम गया, वरना एक बार फिर जिला अस्पताल में बड़ा हड़कंप मच सकता था।

हस्तिनापुर में मनाया गया जवारा महोत्सव

» जवारा महोत्सव में परंपरा, आस्था और सामाजिक एकता का दिखा अद्भुत संगम

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। इन्द्रवती लोक कला ग्राम हस्तिनापुर में मनिराज कोल के निवास के समीप पारंपरिक आस्था और उत्साह के साथ जवारा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं श्रद्धालु शामिल हुए। महोत्सव की शुरुआत भगत गीत गायन से हुई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके पश्चात पंडा कृष्णा कोल द्वारा विधि-विधान के अनुसार घी और गुड़ से हवन कर कुल देवी का आवाहन किया गया। हवन के उपरांत देवी की कृपा से पर्दा हटाकर जवारा दर्शन कराए गए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से दर्शन किए और देवी से घर एवं गांव की सुख-समृद्धि के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में कृष्णा कोल, मनिराज कोल, इंदल कोल, छोटे साकेत, रजोले केवट, प्रदीप प्रजापति, गिरधारी कोल, छोटे कोल, शंकर कोल, राकेश कोल, रावेन्द्र साकेत, रावेंद्र प्रजापति, छोटू प्रजापति, सुआ कोल, कुसुमकली कोल सहित अनेक लोक कलाकारों की सक्रिय सहभागिता रही। इसी अवसर पर इन्द्रवती नाट्य समिति से रोशनी प्रसाद मिश्र एवं रजनीश कुमार जायसवाल की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम जनजातीय परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस आयोजन में परंपरा, आस्था और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने पूरे गांव में उत्साह और उल्लास का वातावरण निर्मित कर दिया।

मछुआ पंचायत का होगा आयोजन -मुख्यमंत्री डा यादव

» निषाद राज जयंती के कार्यक्रम को मुख्यमंत्री डॉ यादव ने वर्चुअली किया संबोधित

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि 'किसान कल्याण वर्ष' में मछुआ समाज के लोगों के साथ निषाद राज की जयंती का निमित्त बनाकर वर्ष में एक बार मछुआ पंचायत का आयोजन किया जाएगा।मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यह बात सोमवार को भगवान राजा गुहराज निषादराज जयंती के उपलक्ष्य में कटनी के दुर्गा चौक मंगलम मैरिज गार्डन में आयोजित कार्यक्रम को भोपाल से वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश न केवल मछली के बीज के मामले में आत्मनिर्भर हुआ है,बल्कि मछुआ कार्ड वितरण में भी हम आगे बढ़ रहे हैं। लगभग डेढ़ लाख मछुआ भाईयों को आर्थिक दृष्टि से आगे बढ़ाने में हमारी सरकार ने मदद की है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सभी को निषाद राज जयंती की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'किसान कल्याण वर्ष' में मछुआ समाज के लोगों के साथ हम निषाद राज जी की जयंती का निमित्त बनाकर पूरे वर्ष में एक बार मछुआ समाज की पंचायत का आयोजन करेंगे।" इस दौरान विधायक मुड़वारा श्री संदीप जायसवाल,नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार,एस डी एम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, पूर्व जनपद अध्यक्ष वेंकट निषाद, पूर्व पार्षद पार्वती निषाद, जयनारायण निषाद, श्याम निषाद सहित अन्य जनप्रतिनिधि, एवं समाज के वरिष्ठ सदस्यों की मौजूदगी रही।

पुलिस अधीक्षक कटनी द्वारा जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण हेतु दिए गए निर्देश

लोकतंत्र की शान हसनरसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के निराकरण एवं समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में आज दिनांक 24 मार्च 2026 को कंट्रोल रूम कटनी के सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा स्वयं उपस्थित होकर आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना गया तथा उनके शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों में मुख्यतः पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन से संबंधित मामले, पुलिस द्वारा सुनवाई न होने की शिकायतें, प्लॉट/जमीन से संबंधित धोखाधड़ी, महिला अपराध तथा अन्य पुलिस संबंधी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। पुलिस अधीक्षक श्री विश्वकर्मा द्वारा प्रत्येक आवेदक की समस्या को व्यक्तिगत रूप से सुनकर संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही नागरिकों को आश्वस्त किया गया कि कटनी पुलिस उनकी सुरक्षा एवं हितों के संरक्षण के लिए सदैव प्रतिबद्ध एवं तत्पर है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संतोष डेहरिया सहित जिले के समस्त अनुभागों के अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आवेदकों की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुनकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की।

तरुणा सिंह चौहान को मिली पीएचडी की उपाधि

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा द्वारा जिले के प्रतिष्ठित व्यवसाई, नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र सिंह मुन्नू की बड़ी सुपुत्री अंग्रेजी विषय की शोधार्थी तरुणा सिंह चौहान को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। मऊगंज महाविद्यालय में पदस्थ डॉ तरुणा सिंह चौहान ने क्रॉस कल्चरल कन्शियसनेस इन द सेलेक्टेड वर्क्स ऑफ़ उर्वशी बुतलिया अ स्टडी विषय पर शोधकार्य प्रो. अनिल कुमार सिंह , विभागाध्यक्ष , पीएम श्री शासकीय संजय गांधी स्मृति स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी के मार्गदर्शन में पूर्ण किए। पीएचडी में सफलता मिलने के पश्चात डॉक्टर तरुणा सिंह चौहान ने विभागाध्यक्ष डॉक्टर अनिल सिंह, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के प्राध्यापको के प्रति आभार व्यापित किया है। प्राध्यापक तरुणा सिंह चौहान को पीएचडी की उपाधि मिलने पर माता श्रीमती सरोज सिंह, प्रतिष्ठित व्यवसाई चाचा योगेंद्र सिंह चौहान शहब्बू, आरएसएस के विभाग संचालक पुष्पराज सिंह परिहार, डॉक्टर सरसिज सिंह परिहार, धीरेंद्र सिंह चौहान, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे सहित विश्वविद्यालय परिवार एवं सहयोगी ईस्ट मित्रों ने बधाई दी है।

हिसार में भीषण हादसे में पिता व तीन बेटियों की मौत, महिला गंभीर

लोकतंत्र की शान

हिसार। जिले में हिसार-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गैबीपुर गांव के पास हुए दर्दनाक व भीषण हादसे में परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मरने वालों में एक युवक व उसकी तीन बेटियां शामिल है जबकि उसकी पत्नी अभी गंभीर है। हादसा गैबीपुर गांव के पास पिकअप व बाइक के बीच हुई टक्कर से हुआ।बताया जा रहा है कि बाइक सवार पांचों सदस्य सोमवार रात प्रभुवाला गांव में अपनी रिश्तेदारी में जा रहे थे कि पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास के लोगों और सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने व्यक्ति और उसकी तीन बेटियों को मृत घोषित कर दिया। बेटियों की उम्र करीब 6 वर्ष, 4 वर्ष और डेढ़ वर्ष है। देर रात सूचना पर मृतकों के परिजन भी रोते-बिलखते अस्पताल पहुंच गए थे। बताया जा रहा है कि ढाणी मोहब्बतपुर निवासी मुकेश कुमार अपनी पत्नी आरती और तीन बेटियों के साथ बाइक पर सवार होकर गांव प्रभुवाला किसी रिश्तेदारी में जा रहे थे। देर रात जब वे गैबीपुर के समीप पहुंचे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और सवार सभी लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में मुकेश कुमार, उनकी पत्नी आरती और उनकी तीन मासूम बेटियां (उम्र करीब 6 वर्ष और 4 वर्ष व डेढ़ वर्ष) को गंभीर चोटें आईं। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी और घायलों को बरवाला के सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

सोनीपतः ताइक्वांडो से जीवन कला सीखें, अनुशासन और आत्मबल बढ़ाएंः सुरेंद्र सिंह

लोकतंत्र की शान

सोनीपत। यामिन ताइक्वांडो इंडिया स्पोर्ट्स अकैडमी में आयोजित विशेष कार्यक्रम में अमेरिका से आए ग्रैंड मास्टर सुरेंद्र सिंह का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में खिलाड़ियों ने ताइक्वांडो की उत्कृष्ट तकनीकों, संतुलन और अनुशासन का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिससे उपस्थित दर्शक अत्यंत प्रभावित हुए। मंगलवार को हुआ यह आयोजन खेल प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहा, इसमें बच्चों में आत्मविश्वास, आत्मरक्षा और मानसिक दृढ़ता विकसित करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। अमेरिका से आए ग्रैंड मास्टर सुरेंद्र सिंह ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि ताइक्वांडो केवल एक खेल नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है। यह व्यक्ति को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ मानसिक रूप से संतुलित और सजग भी बनाता है। उन्होंने बच्चों को नियमित अभ्यास, अनुशासन औरसकारात्मक सोच अपनाने का संदेश दिया। अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक सागर ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को नई दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने बताया कि ग्रैंड मास्टर का मार्गदर्शन खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और इससे उनमें आगे बढ़ने की ऊर्जा उत्पन्न होती है। ताइक्वांडो बच्चों को आत्मरक्षा के साथ अनुशासन और आत्मविश्वास सिखाता है, जो जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी सिद्ध होता है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा प्रस्तुत मार्शल आर्ट्स आधारित नृत्य ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

संक्षिप्त समाचार

रेप के आरोपी बाबा के 100 आपत्तिजनक वीडियो मिले

नासिक/ मुंबई। नासिक के स्वयंभू बाबा और रेप के आरोपी अशोक भोंदू खरात के खिलाफ जांच तेज हो गई है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) को जांच के दौरान करीब 1,500 करोड़ रुपए की संपत्ति और 100 आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं। पुलिस ने खरात को मंगलवार को नासिक सेशन कोर्ट में पेश किया जहां से उसे फिर पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। कोर्ट में संक्षिप्त सुनवाई में पुलिस ने खरात पर 5 मानव बलि देने का संदेह जताया है। कोर्ट परिसर में मौजूद लोगों खरात की गाड़ी पर हमला करने की कोशिश की। जांच का दायरा बढ़ने के बाद नासिक पुलिस और आयकर विभाग को भी इस मामले में शामिल किया गया है। नासिक जिले के सिन्नर में मंदिर ट्रस्ट चलाने वाले खरात को 18 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। 35 वर्षीय महिला ने उस पर तीन साल तक बार-बार दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। इस मामले में दो और केस भी दर्ज किए गए हैं। इनमें एक सात महीने की गर्भवती महिला के साथ यौन शोषण और दूसरी महिला को दोबारा शादी करने का झांसा देकर शोषण करने के आरोप शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि साइबर पुलिस इन वीडियो की जांच कर रही है। खरात से मिलने कई राजनेता भी आते रहे हैं। मामले की गंभीरता और व्यापकता को देखते हुए कई एजेंसियां मिलकर जांच कर रही हैं। इसमें डिजिटल सबूतों और पैसों के लेन-देन की भी जांच शामिल है।

आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने के खिलाफ मामलों पर नेपाल सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को भी होगी सुनवाई

काठमांडू। नेपाल के सर्वोच्च अदालत ने रवि लामिछाने के खिलाफ संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप वापस लेने के महान्यायाधिवक्ता कार्यालय के निर्णय को चुनौती देने वाली रिट याचिका पर आज सुनवाई हुई। मंगलवार को सुनवाई पूरी नहीं हो पाने के कारण मामले की सुनवाई बुधवार को भी होगी। याचिका में रवि लामिछाने के खिलाफ मामलों को वापस लेने के महान्यायाधिवक्ता के संशोधित निर्णय की वैधता को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के प्रवक्ता अर्जुन प्रसाद कोइराला के अनुसार

न्यायाधीश विनोद शर्मा और अब्दुल अज़ीज़ मुसलमान की संयुक्त पीठ सुनवाई पूरी नहीं कर सकी, इसलिए इसे बुधवार को आगे जारी रखने का निर्णय लिया गया है। इससे पहले 19 मार्च को न्यायाधीश सरंगा सुबेदी और सुनील कुमार पोखरेल की संयुक्त पीठ ने महान्यायाधिवक्ता कार्यालय को लामिछाने के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग और संगठित अपराध के आरोप वापस लेने के संशोधित निर्णय को प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। उससे भी पहले 1 मार्च को न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल और श्रीकान्त पौडेल की संयुक्त पीठ ने इस याचिका को नियमित सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था।

नेपाल के मिथिलांचल सहित सीमावर्ती जिलों में चैती छठ पर्व मनाया गया

काठमांडू। नेपाल के मिथिलांचल सहित भारतीय सीमा से जुड़े जिलों में मंगलवार को चैत्र नवरात्र के बीच में आने वाले चैती छठ पर्व मनाकर संध्या अर्घ्य अर्पण किया गया। जनकपुरधाम के ऐतिहासिक सरोवर गंगासागर, धनुषसागर और अरगजा सर के किनारों पर व्रतधारियों की भीड़ देखने को मिली। हाथों में अर्घ्य सामग्री लिए श्रद्धालु व्रती और मंगल ध्वनि के बीच मिथिलांचल का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। रविवार से शुरू हुआ चैती छठ पर्व के आज तीसरे दिन व्रती अस्त होते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर 'संध्या अर्घ्य' मना रहे हैं। जलाशयों के पानी में खड़े होकर सूर्यास्त की प्रतीक्षा कर रहे श्रद्धालु षष्ठी माता का ध्यान करते हुए ठेकुआ, भुसवा, केला, गन्ना और नारियल से युक्त प्रसाद अर्पित करेंगे। कार्तिक महीने में मनाए जाने वाले 'बड़का छठ' की तुलना में चैती छठ करने वालों की संख्या कुछ कम होती है, लेकिन पिछले वर्षों में इसकी लोकप्रियता और विस्तार लगातार बढ़ रहा है। हालांकि, दोनों छठ पर्वों की विधि और प्रक्रिया समान होती है। चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत के पहले दिन व्रतियों ने 'नहाय–खाय' कर शुद्ध भोजन ग्रहण किया था, जबकि सोमवार (पंचमी) को 'खरना' मनाया गया। खरना के दिन व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखते हैं और शाम को चंद्रमा के उदय के बाद खीर, केला और फलों का प्रसाद चढ़ाकर फलाहार करते हैं। मंगलवार शाम को सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती पूरी रात जागरण करेंगे। इसके बाद बुधवार (सप्तमी) की सुबह 'भोर का अर्घ्य' यानी उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ यह महान लोकपर्व विधिवत संपन्न होगा। सूर्य उपासना पर आधारित इस पर्व में जलाशयों के किनारे बैठकर संतान सुख, परिवार की समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की जाती है। जनकपुर के प्रमुख सरोवर ही नहीं, बल्कि पूरे तराई–मधेस क्षेत्र के गांव-गांव में नदियों और जलाशयों के किनारे छठ पर्व का उल्लास देखने को मिल रहा है।

पीटीआई ने इमरान खान की रिहाई के लिए टास्क फोर्स बनाने का विरोध किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कई वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई के लिए एक टास्क फोर्स बनाने का विरोध किया है। वरिष्ठ नेतृत्व ने अपना दृष्टिकोण खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी तक पहुंचा दिया है। दुनिया न्यूज की सूत्रों पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि इस समय पाकिस्तान और पूरी दुनिया एक मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। इसलिए टास्क फोर्स बनाने के बजाय बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए। वरिष्ठ नेतृत्व ने सलाह दी कि अगर इस बार इस्लामाबाद मार्च किया जाता है तो पार्टी को गंभीर नुकसान हो सकता है। नेतृत्व ने कहा कि मौजूदा हालात में विरोध प्रदर्शन का रास्ता चुनना कोई समझदारी भरा फैसला नहीं होगा। उन्होंने कहा कि टास्क फोर्स की भूमिका अंततः विरोध प्रदर्शनों के इर्द-गिर्द ही घूमेगी और मौजूदा परिस्थितियों में विरोध प्रदर्शन पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए उचित नहीं है। गौरतलब है कि खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने पार्टी संस्थापक की रिहाई के लिए 19 अप्रैल को टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की है।

नेपाल में जेन जी प्रदर्शन के दौरान जलाए गए सरकारी भवनों का नहीं हो पाया पुनर्निर्माण

काठमांडू। नेपाल में पिछले साल 8 और 9 सितंबर को हुए जेन जी आंदोलन के दौरान आगजनी से क्षतिग्रस्त सरकारी भवनों का पुनर्निर्माण अभी भी शुरू नहीं हो पाया है। सभी बड़े तथा महत्वपूर्ण सरकारी भवनों की अवस्था जर्जर है और वो उपयोग के भी लायक नहीं है। देश के प्रमुख प्रशासनिक भवन सिंहदरबार में प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर लगभग सभी मंत्रालय का भवन हैं। यहां सभी जले हुए ढांचे अब भी मरम्मत की प्रतीक्षा में हैं। इसी तरह प्रधान मंत्री आवास, राष्ट्रपति भवन शीतल निवास, सर्वोच्च अदालत जैसी प्रमुख संरचनाएं भी हैं। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र को अब संसद भवन के रूप में उपयोग किया जा रहा है, लेकिन वह अभी भी आग के काले धब्बों के साथ खड़ा है। इसकी मामूली मरम्मत और रंगाई से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खराब छवि बनने से बचा जा सकता था, लेकिन सरकार ने इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। संसद भवन परियोजना में निर्माणाधीन नया संसद भवन सांसदों के शपथ ग्रहण से पहले पूरा नहीं हो सका। इसलिए 26 मार्च को सांसदों को अस्थायी हॉल में शपथ दिलाई जा रही है। संघीय संसद सचिवालय के प्रवक्ता एकराम गिरी के अनुसार नए भवन में संसद हॉल का निर्माण पूरा नहीं हुआ है, इसलिए बहुउद्देशीय हॉल में शपथ दिलाई जाएगी। इस भवन की नींव 19 सितंबर, 2019 को रखी गई थी। छह साल बाद भी लगभग 90–92 फीसदी ही पूरा हो पाया है। इसमें केंद्रीय लॉबी, राष्ट्रीय सभा कक्ष, प्रतिनिधि सभा कक्ष, वीवीआईपी कक्ष और प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति के कार्यालय शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट और काठमांडू जिला अदालत सहित कई सरकारी भवन अभी भी आग से हुए नुकसान के निशान झेल रहे हैं। आंदोलन के छह महीने बाद भी इनका पुनर्निर्माण न होना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक संदेश दे रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 629 भवन पूरी तरह नष्ट हुए, 560 से अधिक आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए। इनमें 310 सरकारी कार्यालय पूरी तरह ध्वस्त हुए।

हैदराबाद में क्यूनेट रैकेट का भंडाफोड़:
11 महिलाओं सहित 32 लोग गिरफ्तार, करोड़ों की ठगी उजागर

एजेंसी, हैदराबाद

हैदराबाद पुलिस ने देशभर में फैले करोड़ों रुपये के क्यूनेट से जुड़े धोखाधड़ी और अवैध मनी सर्कुलेशन रैकेट का पर्दाफाश करते हुए 11 महिलाओं समेत कुल 32 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में करीब 30 स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर चार मामलों में ये गिरफ्तारियां की गईं। गिरफ्तार आरोपितों में ग्रुप लीडर, मोटिवेटर, सर्वर प्रतिनिधि और लोन एजेंट शामिल हैं।

गिरफ्तार किए गए आरोपित हैदराबाद, महबूबनगर, बेल्लमपल्ली, वारंगल, विशाखापत्तनम, एलुरु, नेल्लोर, नंद्याल, नरसीपटनम और ओडिशा के निवासी हैं। पुलिस आयुक्त के

अनुसार, यह रैकेट विहान डायरेक्ट सेलिंग प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है, जो हांगकांग स्थित क्यूआई ग्रुप की फ्रेंचाइजी के रूप में भारत में क्यूनेट ब्रांड के तहत संचालित हो रहा था। इस अभियान के लिए सेंट्रल क्राइम स्टेशन ने 30 विशेष टीमों का गठन किया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपित आईटी और पूर्व आईटी कर्मचारी थे, जो लोगों को जोड़ने, प्रशिक्षण देने और निवेश के लिए प्रेरित करने का काम करते थे। यह नेटवर्क वर्ष 1998 से "गोल्ड क्वेस्ट" और "क्वेस्ट नेट" जैसे नामों से सक्रिय रहा है।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार, आरोपियों ने डायरेक्ट सेलिंग के नाम पर सोशल मीडिया के जरिए विज्ञापन देकर लोगों को आकर्षित किया। इसमें दावा किया जाता था कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और अफ्रीकी देशों में ई-कॉमर्स व्यवसाय में निवेश कर अतिरिक्त आय अर्जित की जा सकती है। इस जाल में आईटी कर्मचारी, व्यवसायी, गृहिणियां और बेरोजगार युवा अधिक संख्या में फंसाए गए। उन्होंने बताया कि रुचि दिखाने वाले लोगों को 19 से 22 प्रतिशत ब्याज दर पर फिनटेक के जरिए पर्सनल लोन लेने के लिए प्रेरित किया जाता था। उन्हें हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित होटलों और कैफे में बुलाकर निवेश योजनाओं के बारे में बताया जाता था, लेकिन कंपनी की वास्तविक पहचान और एमएलएम (मल्टी-लेवल मार्केटिंग) संरचना को छिपाया जाता था। पुलिस आयुक्त ने बताया कि आरोपितों द्वारा क्यूनेट का नाम सीधे नहीं लिया जाता था। वे ई-कॉमर्स बिजनेस में निवेश के नाम पर हर महीने आय का झांसा देते थे और 5 से 10 लाख रुपये के निवेश पर दो वर्षों में 3 से 4 करोड़ रुपये का मुनाफा होने का दावा करते थे। हालांकि, वास्तविक रिटर्न देने के बजाय पीड़ितों को 'गिफ्ट' के नाम पर आयुर्वेदिक उत्पाद, बिस्किट और शहद जैसे सामान दिए जाते थे।

केवल हिंदू-बौद्ध-सिख ही अनुसूचित जाति का दावा कर सकते हैं

एजेंसी, नई दिल्ली

♦ सुप्रीम कोर्ट का फैसला- धर्म बदला तो अनुसूचित जाति का दर्जा भी खत्म हो जाता है

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से जुड़े लोग ही अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं। अगर कोई ईसाई या किसी और धर्म में धर्मांतरण करता है तो वह अनुसूचित जाति का दर्जा खो देगा। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईसाई धर्म अपनाने वाला दलित व्यक्ति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मिलने वाले किसी भी संरक्षण का दावा नहीं कर सकता है। यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के फैसले के खिलाफ लगाई गई चिंथदा की याचिका पर सुनाया गया। धर्म परिवर्तन के बाद पादरी बने चिंथदा आनंद ने याचिका लगाई थी कि उन्हें अक्काला रामिरेड्डी समेत कुछ लोगों से जातिगत भेदभाव और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट पहले भी कह चुका- आरक्षण का लाभ लेने धर्म बदलना, संविधान से धोखा: 1985 के सूसाई बनाम भारत सरकार से जुड़े एक केस में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि यदि कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपनाने के बाद दोबारा हिंदू धर्म में लौटता है, तो उसे एससी दर्जा प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय प्रमाण और समुदाय की स्वीकृति की जरूरत होगी। केवल लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से धर्म परिवर्तन करने को सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के साथ धोखा करार दिया।

चिंथदा का आरोप था- उसे जातिसूचक गालियां दी गईं: यह मामला विशाखापट्टनम जिले के अनाकापल्ली का है, जहां मूल रूप से एससी (माला समुदाय) के चिंथदा ने ईसाई धर्म अपना लिया और पादरी बन गया। कुछ दिन बाद गुंटूर जिले के कोथापलेम में रहने वाले अक्काला रामी रेड्डी नाम के शख्स पर चिंथदा ने आरोप लगाया कि अक्काला ने उसे जातिसूचक गालियां दीं हैं।

वृंदावन में संघ प्रमुख ने किया नवनिर्मित जीवनदीप आश्रम का लोकार्पण

एजेंसी, मथुरा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ मोहन भागवत ने मंगलवार को वृंदावन के रुक्मिणी विहार में स्वामी यतिंद्रानंद महाराज के संस्थापित नवनिर्मित जीवनदीप आश्रम का लोकार्पण किया। डॉ भागवत ने जीवन में आने वाले उतार-चढ़ावों और कठिनाइयों से लड़ने का मंत्र दिया।

जीवनदीप आश्रम के लोकार्पण कार्यक्रम में स्वामी यतिंद्रानंद महाराज के अलावा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए डॉ मोहन भागवत ने कहा कि जीवन में आने वाले उतार-चढ़ावों और कठिनाइयों से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उनसे लड़ना चाहिए। 'जीवन के थपेड़ों से लड़ना है, हारना नहीं।' आश्रमों को धर्म की शिक्षा का केंद्र बताते हुए उन्होंने कहा कि ये स्थान न केवल आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि भौतिक शरीर को ऊर्जावान, ओजस्वी और तेजस्वी बनाने में भी सहायक होते हैं। डॉ मोहन ने विश्व में व्याप्त तनाव और कलह पर चिंता व्यक्त की। विशेष रूप से पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कलह से केवल नुकसान ही हो रहा है। उन्होंने बदले की भावना से किए जा रहे कार्यों को गलत ठहराया और शांति व सौहार्द का संदेश दिया। संघ प्रमुख ने धर्मांतरण को रोकने में समाज की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल कानून का ही नहीं, बल्कि समाज का भी है। उन्होंने घुसपैठियों को रोकने और बिना अनुमति देश में आकर रोजगार प्राप्त करने वाले विदेशियों के प्रति सजग रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

किम जोंग बोले- परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था

एजेंसी, प्योंगयांग

♦ ईरान पर हमले ने हमें सच साबित किया, जीत मजबूत ताकत से तय होती है

नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने देश के पास परमाणु हथियार होने को लेकर खुशी जताई है। सरकारी मीडिया के मुताबिक उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमले साबित करते हैं, कि उनके देश का परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था। किम ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध दिखाता है कि आज की दुनिया में सिर्फ मजबूत सैन्य ताकत ही किसी देश को सुरक्षित रख सकती है। उन्होंने यह बयान सोमवार को संसद में लंबे भाषण के दौरान दिया। अपने भाषण में किम ने दक्षिण कोरिया के प्रति सख्त रुख दोहराया और कहा कि वह अपने देश की परमाणु ताकत को और मजबूत करेंगे, ताकि अमेरिका को रोका जा सके।

किम जोंग बोले- और ज्यादा परमाणु हथियार बनाएंगे: किम जोंग उन का यह भाषण मंगलवार को लिखित रूप में जारी हुआ है। इसमें उन्होंने कहा कि 2019 में ट्रम्प के साथ बातचीत टूटने के बाद परमाणु हथियार बढ़ाने का फैसला उनका सबसे सही कदम था। किम ने कहा कि नॉर्थ कोरिया अब अमेरिका के खिलाफ एकजुट मोर्चे में और ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने ट्रम्प का नाम सीधे नहीं लिया, लेकिन यह जरूर कहा कि उनके विरोधी टकराव चाहते हैं या शांति, यह उन पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि नॉर्थ कोरिया हर स्थिति के लिए तैयार है। किम ने देश को आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनाने, ज्यादा परमाणु हथियार और उन्हें ले जाने वाली मिसाइलें बनाने पर जोर दिया। किम ने यह भी कहा कि परमाणु हथियारों की वजह से नॉर्थ कोरिया अब ज्यादा सुरक्षित है और इसी वजह से वह अपने संसाधनों का इस्तेमाल आर्थिक विकास के लिए भी कर पा रहा है।

साउथ कोरिया को लेकर उन्होंने कहा कि हम उसे सबसे बड़ा दुश्मन मानेंगे और पूरी तरह नजरअंदाज करेंगे। अगर साउथ कोरिया कोई भी कदम उठाता है जो उनके देश को नुकसान पहुंचाता है, तो उसे कड़ी सजा दी जाएगी। कई दशकों से अमेरिका और उसके सहयोगी देश, प्रतिबंध और बातचीत के जरिए नॉर्थ कोरिया को परमाणु कार्यक्रम छोड़ने के लिए मनाने की कोशिश करते रहे हैं, लेकिन अब तक सभी प्रयास असफल रहे हैं। व्हाइट हाउस में दोबारा आने के बाद ट्रम्प ने किम से फिर बातचीत करने की इच्छा जताई है। हालांकि, किम का कहना है कि बातचीत तभी हो सकती है, जब अमेरिका आधिकारिक तौर पर नॉर्थ कोरिया को परमाणु शक्ति के रूप में मान्यता दे। नॉर्थ कोरिया लंबे समय से यह कहता रहा है कि अगर लीबिया के मुअम्मर गद्दाफी और इराक के सद्दाम हुसैन के पास परमाणु हथियार होते तो उनका अंत इस तरह नहीं होता। अमेरिका और नॉर्थ कोरिया के बीच परमाणु कार्यक्रम छोड़ने को लेकर साल 2018 में बातचीत शुरू हुई थी। इसे लेकर जून 2018 में सिंगापुर में पहली बार ट्रम्प और किम जोंग उन की ऐतिहासिक मुलाकात हुई थी।

कोलंबिया में वायुसेना का विमान क्रैश, 66 की मौत
114 कोलंबियाई सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे

एजेंसी, बोगोटा

कोलंबिया में सोमवार को एयरफोर्स का हरक्यूलिस C-130 विमान टेक-ऑफ के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में अब तक 66 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। जबकि 4 सैनिक अभी भी लापता है। एक सैन्य सूत्र ने AFP को बताया कि 58 सैनिक, छह वायुसेना कर्मी और दो पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। यह हादसा पेरू सीमा के पास दक्षिणी अमेजन क्षेत्र के प्यूर्टो लेगुइज़ामो में हुआ। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने बताया कि विमान रनवे से करीब 1.5 किलोमीटर दूर जाकर गिरा। विमान में 114 सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे। कोलंबिया की सेना ने बताया कि इस हादसे में करीब 80 सैनिकों के मारे जाने की आशंका है।

कोलंबियाई राष्ट्रपति ने हादसे पर दुख जताया: कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सैन्य विमान हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर हादसा है। ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी और जवानों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। सरकार सेना को मजबूत बनाने और बेहतर सुविधाएं देने पर काम कर रही है, ताकि आगे ऐसे हादसे न हों। पेट्रो ने कहा कि सेना के हथियार और संसाधनों को आधुनिक बनाने का फैसला पहले ही लिया जा चुका है, लेकिन प्रशासनिक देरी के कारण इसे लागू नहीं किया जा सका। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर नागरिक या सैन्य अधिकारी इस चुनौती के अनुरूप काम नहीं कर पाए, तो उन्हें हटाया जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि सेना के लिए नए हेलिकॉप्टर, ट्रांसपोर्ट विमान और एंटी-ड्रोन सिस्टम तुरंत खरीदे जाने चाहिए, ताकि जवानों की सुरक्षा तय की जा सके।

घायलों को मोटरसाइकिल से हॉस्पिटल ले जाया गया: हादसे के बाद आसपास के गांवों के लोग तुरंत मदद के लिए पहुंच गए। कई लोग मोटरसाइकिल से घायलों को अस्पताल ले गए और आग बुझाने की कोशिश की। घायलों को पहले छोटे क्लीनिक में भर्ती किया गया, फिर उन्हें बड़े शहरों जैसे बोगोटा के अस्पतालों में एयरलिफ्ट किया गया। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने साफ किया है कि अभी तक किसी आतंकी या हमले के सबूत नहीं मिले हैं। यानी फिलहाल इसे एक हादसा ही माना जा रहा है। हादसे के बाद आग से विमान में मौजूद गोला-बारूद फटने लगा, जिससे हालात और खतरनाक हो गए। एक एविएशन एक्सपर्ट ने बताया कि यह विमान 2020 में अमेरिका ने कोलंबिया को दिया था और कुछ साल पहले इसका पूरा मेंटेनेंस (ओवरहाल) भी किया गया था। इसलिए पहली नजर में ऐसा नहीं लगता कि खराब पार्ट्स की वजह से हादसा हुआ।

कुवैत में इंटरसेप्शन का मलबा गिरा, बिजली ट्रांसमिशन लाइनें ठप

एजेंसी, कुवैत सिटी

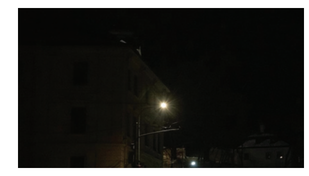

कुवैत में इंटरसेप्शन के मलबे के कारण मंगलवार सुबह बिजली ट्रांसमिशन लाइनें ठप हो गई हैं। इस मलबे का प्रभाव सात ओवरहेड पावर लाइनों पर पड़ा है। बिजली, पानी और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि इसके कारण कुछ इलाकों में बिजली की आंशिक कटौती की गई है। अनादोलू एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार एयर डिफेंस सिस्टम के इंटरसेप्शन ऑपरेशन के दौरान गिरे मलबे से भारी नुकसान हुआ है। इससे सबसे अधिक बिजली विभाग को क्षति हुई है। बिजली, पानी और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के प्रवक्ता फातिमा अब्बास जौहर हयात ने एक्स पर कहा कि इसके कारण कुछ इलाकों में बिजली की आंशिक कटौती हुई। उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति जल्द से जल्द बहाल करने के प्रयास जारी हैं। मंत्रालय ने बताया कि जैसे ही सुरक्षा अधिकारियों के समन्वय से साइटें सुरक्षित हो जाएंगी, विशेष तकनीकी टीमें अपना काम शुरू कर देंगी। इन टीमों का काम नुकसान का आकलन करना और सुरक्षा व संरक्षा के उच्चतम मानकों के अनुसार प्रभावित लाइनों की मरम्मत करना होगा। जौहर हयात ने कहा कि आपातकालीन टीमें बिजली ग्रिड को प्रभावित करने वाली किसी भी समस्या से निपटने और सेवा की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं।

रेलवे ने टिकट कैंसिलेशन नियम बदले, रिफंड प्रणाली में सुधार से यात्रियों को राहत

एजेंसी, नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पहल के तहत भारतीय रेलवे में व्यापक सुधारों की घोषणा करते हुए टिकट कैंसिलेशन और रिफंड नियमों में बड़े बदलाव का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य अंतिम समय की सट्टेबाजी बुकिंग पर रोक लगाना, वास्तविक यात्रियों को टिकट उपलब्ध कराना और पारदर्शिता बढ़ाना है। रेल मंत्री वैष्णव ने रेल भवन में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पहले टिकट रद्द करने की समय-सीमा 48, 12 और 4 घंटे थी, जिसे अब बढ़ाकर क्रमशः 72, 24 और 8 घंटे कर दिया गया है। यह बदलाव अग्रिम आरक्षण चार्ट की तैयारी में हुए सुधारों के अनुरूप किया गया है, जो अब ट्रेन प्रस्थान से 9 से 18 घंटे पहले तैयार हो जाता है। इससे वेटिंग लिस्ट वाले यात्रियों को बेहतर योजना बनाने का अवसर मिलेगा और खाली सीटों का बेहतर उपयोग हो सकेगा।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि अब ई-टिकट के लिए टिकट जमा रसीद (टीडीआर) दाखिल करने की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है और टिकट रद्द होते ही रिफंड स्वतः प्रोसेस होगा। इसके अलावा, काउंटर टिकट अब देश के किसी भी रेलवे स्टेशन से रद्द कराए जा सकेंगे, जबकि पहले यह सुविधा केवल मूल स्टेशन तक सीमित थी। यात्रियों की सुविधा को और बढ़ाते हुए रेलवे ने एक और बड़ा निर्णय लिया है, जिसके तहत यात्री अब ट्रेन के प्रस्थान से 30 मिनट पहले तक अपना बोर्डिंग स्टेशन बदल सकेंगे। पहले यह सुविधा केवल चार्ट बनने से पहले तक ही उपलब्ध थी। इसके अलावा, यात्री अब प्रस्थान से 30 मिनट पहले तक अपनी यात्रा श्रेणी (क्लास) भी अपग्रेड कर सकेंगे।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि टिकटिंग प्रणाली में दुरुपयोग रोकने के लिए रेलवे ने तकनीकी उपायों को मजबूत किया है। बॉट्स और फर्जी सॉफ्टवेयर के जरिए टिकट बुकिंग पर रोक लगाने के लिए उन्नत तकनीक लागू की गई है। आधार आधारित ओटीपी सत्यापन प्रणाली लागू करने और डेटा विश्लेषण के जरिए लगभग तीन करोड़ फर्जी आईआरसीटीसी खातों को हटाया गया है, जिससे टिकट उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। रेल मंत्री ने बताया कि वर्ष 2026 में सुधारों की श्रृंखला 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' के तहत कुल नौ सुधार लागू किए जा चुके हैं, जिनमें पांच नए सुधार शामिल हैं। इन पांच सुधारों में दो माल ढुलाई (कार्गो), एक निर्माण और दो यात्री सुविधा से संबंधित हैं।

कार्गो क्षेत्र में नमक परिवहन को लेकर बड़ा सुधार किया गया है। भारत में हर वर्ष लगभग 3.5 करोड़ टन नमक का उत्पादन होता है, जिसमें से करीब 92 लाख टन रेल के माध्यम से परिवहन किया जाता है। इस क्षेत्र में रेल की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए स्टेनलेस स्टील से बने विशेष कंटेनर विकसित किए गए हैं, जिनमें टॉप-लोडिंग और साइड-डिस्चार्ज की सुविधा होगी। इससे जंग लगने की समस्या खत्म होगी, माल की हानि कम होगी और मल्टीमॉडल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। ऑटोमोबाइल परिवहन में भी रेलवे ने उद्योग को बड़ी राहत दी है। अब ऑटोमोबाइल कंपनियां अपनी जरूरत के अनुसार विशेष वैगन डिजाइन कर सकेंगी। वर्तमान में देश में हर वर्ष लगभग 3.1 करोड़ वाहन बनते हैं, लेकिन यात्री वाहनों के परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी केवल 24 प्रतिशत है। नए सुधारों से इस हिस्सेदारी में वृद्धि की उम्मीद जताई गई है।

रेल मंत्री ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधारने के लिए सात बड़े बदलावों की भी घोषणा की। इसके तहत ठेकेदारों की पात्रता के मानदंड सख्त किए गए हैं, बोली सुरक्षा राशि को परियोजना लागत का दो प्रतिशत निर्धारित किया गया है और 10 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लिए बिड कैपेसिटी का आकलन अनिवार्य किया गया है। इसके अलावा, भ्रष्टाचार और मिलीभगत रोकने के लिए कड़े दंडात्मक प्रावधान लागू किए गए हैं। उप-ठेके (सब-कॉन्ट्रैक्टिंग) की सीमा को 70 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे ठेकेदारों की जवाबदेही बढ़ेगी। अवास्तविक कम बोली लगाने पर अतिरिक्त पांच प्रतिशत प्रदर्शन गारंटी देना अनिवार्य किया गया है, ताकि परियोजनाओं में देरी और विवाद की स्थिति से बचा जा सके।

रेल मंत्री ने कहा कि इन सभी सुधारों का उद्देश्य रेलवे परियोजनाओं में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करना है। उन्होंने पूर्व में लागू सुधारों का भी उल्लेख किया, जिनमें ऑन-बोर्ड सेवाओं में सुधार, गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों का विस्तार, रेलटेक नीति और रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल का डिजिटलीकरण शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सामान्य और अनारक्षित डिब्बों में सफाई व्यवस्था को मिशन मोड में लागू किया जा रहा है और इसके लिए 86 ट्रेनों की पहचान की गई है।

ईरान का स्पष्ट रुख: जंग खत्म करने के लिए हमले न दोहराने की ठोस गारंटी जरूरी – मसूद पेज़ेश्कियान

लोकतंत्र की शान

ईरान के राष्ट्रपत मसूद पेज़ेश्कियान ने अंतरराष्ट्रीय हालात पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार का युद्धविराम तभी सार्थक और स्थायी हो सकता है, जब इस बात की ठोस और विश्वसनीय गारंटी दी जाए कि भविष्य में दोबारा कोई हमला या अतिक्रमण नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल अस्थायी युद्धविराम से क्षेत्र में स्थिरता नहीं आएगी, बल्कि दीर्घकालिक शांति के लिए भरोसेमंद सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक है। शनिवार को राष्ट्रपति पेज़ेश्कियान ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक महत्वपूर्ण टेलीफोन वार्ता की। इस बातचीत में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के साथ-साथ पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात, क्षेत्रीय तनाव, और अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर विस्तार से चर्चा की। विशेष रूप से अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ़ शुरू किए गए सैन्य कदमों और उनके संभावित प्रभावों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। राष्ट्रपति पेज़ेश्कियान ने इस दौरान कहा कि ईरान ने किसी भी संघर्ष की शुरुआत नहीं की है, बल्कि उस पर जबरन युद्ध थोपा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय भी हमला किया गया जब कूटनीतिक बातचीत जारी थी, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों और कूटनीतिक परंपराओं का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने यह भी कहा कि इन हमलों में न केवल सैन्य ठिकानों, बल्कि आम नागरिकों को भी निशाना बनाया गया, जिनमें महिलाएं और छात्राएं शामिल हैं। इसके अलावा, देश के ऊर्जा प्रतिष्ठानों, संचार व्यवस्था और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचों को भी नुकसान पहुंचाया गया, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ। ईरानी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि इस प्रकार की कार्रवाइयां क्षेत्रीय शांति के लिए गंभीर खतरा हैं और इन्हें रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे हमलों को बिना जवाबदेही के छोड़ दिया गया, तो इससे अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियमों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठेंगे। पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की आवश्यकता पर बल देते हुए पेज़ेश्कियान ने क्षेत्रीय देशों के बीच सहयोग को अहम बताया। उन्होंने सुझाव दिया कि एक ऐसा सामूहिक सुरक्षा ढांचा तैयार किया जाए, जिसमें क्षेत्रीय देश मिलकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें और बाहरी शक्तियों के हस्तक्षेप की आवश्यकता न पड़े। उनके अनुसार, क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान क्षेत्र के भीतर से ही निकलना चाहिए। इस संदर्भ में उन्होंने भारत से विशेष अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में भारत की जिम्मेदारी और भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया कि भारत अपनी कूटनीतिक क्षमता का उपयोग करते हुए ईरान के खिलाफ़ जारी हमलों को रुकवाने और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाए। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस बातचीत में पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ता तनाव और संघर्ष का विस्तार न केवल संबंधित देशों, बल्कि वैश्विक शांति और आर्थिक स्थिरता के लिए भी खतरा है। उन्होंने ऊर्जा के बुनियादी ढांचे पर हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्रवाइयां वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर सकती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने विशेष रूप से हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य की सुरक्षा का मुद्दा उठाया, जो विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। उन्होंने इस क्षेत्र में जहाज़ों की निर्बाध और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि सभी पक्षों को संयम बरतना चाहिए और संवाद के माध्यम से समाधान निकालने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। अंत में, दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि क्षेत्र में शांति, स्थिरता और संतुलन बनाए रखने के लिए कूटनीतिक प्रयासों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और किसी भी प्रकार के सैन्य टकराव से बचना समय की मांग है।

ईरान का कड़ा संदेश: अमेरिका के दबाव और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के दुरुपयोग को नहीं होने देंगे कामयाब

लोकतंत्र की शान

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराक़ची ने अंतरराष्ट्रीय हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई है कि रूस, चीन और अन्य वे देश, जो अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों तथा संयुक्त राष्ट्र के चार्टर को महत्व देते हैं, अमेरिका को ईरान के खिलाफ़ कथित अपराध करने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का दुरुपयोग कर वैश्विक स्थिति को और जटिल बनाने की अनुमति नहीं देंगे। रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री अराक़ची ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ टेलीफोन पर महत्वपूर्ण बातचीत की। इस वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, विशेष रूप से अमेरिका और इस्राइल के हालिया हमलों के परिणामों और उनके प्रभावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस बातचीत में अराक़ची ने स्पष्ट रूप से कहा कि ईरान अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरी ताकत के साथ प्रतिबद्ध है और किसी भी आक्रमण का दृढ़ता से जवाब देगा। उन्होंने यह भी कहा कि ऊर्जा के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की धमकी न केवल अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, बल्कि इसे नस्लवादी रवैया और युद्ध अपराध की श्रेणी में भी देखा जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस प्रकार की किसी कार्रवाई को अंजाम दिया गया, तो ईरान तत्काल और कड़ा जवाब देगा। विदेश मंत्री ने हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य की सुरक्षा स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में अस्थिरता और जहाज़ों की सुरक्षा को खतरा, अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ़ किए गए ग़ैर-क़ानूनी हमलों का सीधा परिणाम है। उन्होंने इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए भी गंभीर खतरा बताया। अराक़ची ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह अमेरिका और इस्राइल को अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन और कथित अपराधों के लिए जवाबदेह ठहराए। उन्होंने कहा कि वैश्विक शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि सभी देशों को समान रूप से कानून के दायरे में लाया जाए। इसके अलावा, उन्होंने सुरक्षा परिषद की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि परिषद को ईरान के खिलाफ़ दबाव बनाने के एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जो कि उसके मूल उद्देश्यों के विपरीत है। उन्होंने कुछ देशों, जिनमें बहरीन का भी उल्लेख किया, पर आरोप लगाया कि वे इस मामले में अमेरिका का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने 11 मार्च को पारित प्रस्ताव की आलोचना करते हुए कहा कि उसे वास्तविकता के विपरीत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। उनके अनुसार, जहां आक्रमण करने वालों से जवाबदेही तय की जानी चाहिए थी, वहां उल्टा ईरान की निंदा की गई, जो कि न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ़ है। विदेश मंत्री ने सुरक्षा परिषद में इसी प्रकार के एक और प्रस्ताव लाने के प्रयासों की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने उम्मीद जताई कि परिषद के सदस्य, विशेष रूप से रूस और चीन, संतुलित और न्यायपूर्ण रुख अपनाएंगे और अमेरिका को एक तरफ़ ईरान के खिलाफ़ कार्रवाई करने तथा दूसरी ओर परिषद का दुरुपयोग करने की अनुमति नहीं देंगे। वहीं, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी इस बातचीत में ईरान के खिलाफ़ अमेरिका और इस्राइल के कथित ग़ैर-क़ानूनी हमलों की निंदा की। उन्होंने ईरान और रूस के मजबूत और ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि रूस हमेशा अंतरराष्ट्रीय कानूनों की रक्षा, संप्रभुता के सम्मान और वैश्विक संबंधों में कानून के शासन को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

तकनीक का लोकतंत्रीकरण और सृजन का नया युग

लेखक - विनोद कुमार सिंह

वैश्विक क्षितिज पर भारत का डिजिटल परिदृश्य आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है,वह केवल तकनीकी प्रगति का शुभ संकेत दी नहीं,बल्कि एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का परिचायक भी है। इस क्रान्तिकारी परिवर्तन के केंद्र में वह सोच है,जो तकनीक को कुछ विशेष वर्गों तक सीमित न रखकर उसे आम जन तक पहुँचाने की वकालत करती है। इसी दृष्टि को साकार करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा आरंभ की गई तीन नई पहलें एक नए भारत की डिजिटल आकांक्षाओं को आकार देती दिखाई देती हैं। आज के कार्यक्रम में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार का उद्देश्य तकनीक को सुलभ,सस्ता और सर्वसुलभ बनाना है,ताकि देश का हर नागरिक डिजिटल क्रांति का भागीदार बन सके। उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उस सोच को दोहराया,जिसमें तकनीक को लोकतांत्रिक बनाने पर विशेष बल दिया गया है। उनके अनुसार,इन पहलों के माध्यम से न केवल तकनीक की पहुँच बढ़ेगी,बल्कि यह आम लोगों के जीवन को सरल और सशक्त भी बनाएगी। मंत्री ने एमवाईडब्लूएवीईएस प्लेटफॉर्म को एक ऐसे सशक्त मंच के रूप में रेखांकित किया,जहाँ देश का हर नागरिक अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त कर सकता है। उन्होंने अपने उदगार में उल्लेख किया कि आज का भारत केवल कंटेंट का उपभोक्ता नहीं रहना चाहता,बल्कि वह कंटेंट निर्माण में भी वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने रचनाकारों से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्र, संस्कृति और परंपराओं की कहानियों को इन मँचों के माध्यम से दुनिया तक पहुँचाएँ,जिससे भारत की विविधता और समृद्धि को एक नई पहचान मिल सके। राष्ट्रीय ए आई स्किलिंग पहल पर बोलते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह कार्यक्रम आनेवाले समय की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। आज लगभग 15 हजार युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार किया जाएगा। उनके शब्दों में, "यह पहल युवाओं को केवल कौशल ही नहीं देगी,बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के योग्य बनाएगी। " यह कथन इस बात का संकेत है कि सरकार एआई को केवल एक तकनीक नहीं,बल्कि एक अवसर के रूप में देख रही है। आज के इस कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने भी इन पहलों की व्यापकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह तीनों पहलें एक साझा नीति दिशा को प्रतिबिंबित करती हैं। उन्होंने अपने उद्गार में स्पष्ट किया कि पहली पहल लोगों को सक्षम बनाएगी,दूसरी उन्हें नए अवसर प्रदान करेगी और तीसरी यह सुनिश्चित करेगी कि कंटेंट की पहुँच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो। उनके अनुसार,यह केवल योजनाएँ नहीं हैं,बल्कि एक मजबूत और समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में ठोस कदम हैं। यदि इन उद्गारों को व्यापक संदर्भ में देखा जाए,तो यह स्पष्ट होता है कि सरकार की सोच बहुस्तरीय है। एक ओर जहाँ कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को तैयार किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर उन्हें अभिव्यक्ति और अवसर के मंच भी प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही,तकनीकी अवरोधों को कम करके यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन अवसरों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचे। इंडियन इंस्चूयूट क्रियेटेवी ट्रेकनालाँजी के माध्यम से संचालित राष्ट्रीय एआई स्किलिंग पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। गूगल और यूट्यूब के सहयोग से तैयार यह कार्यक्रम न केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि रचनात्मक उद्योगों के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल भी विकसित करेगा। इससे भारत के युवा वैश्विक डिजिटल कंटेंट बाजार में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे। दूसरी ओर, एमवाईडब्लुएवीईएस प्लेटफॉर्म उस बदलते भारत का प्रतीक है,जहाँ हर व्यक्ति अपनी आवाज़ को पहचान दिलाना चाहता है। यह मंच केवल कंटेंट निर्माण का माध्यम नहीं,बल्कि एक सामाजिक-सांस्कृतिक संवाद का सेतु भी है। इसके माध्यम से देश के कोने-कोने से उभरती कहानियाँ, विचार और रचनात्मक अभि व्यक्तियाँ एक साझा मंच पर आ सकेंगी। तीसरी पहल,डीडी फ्री डिश के लिए इन-बिल्ट सैटेलाइट ट्यूनर और उन्नत प्रोग्राम गाइड की सुविधा, सीधे तौर पर आम नागरिक के जीवन को सरल बनाने का प्रयास है।

हिंदी पत्रकारिता के निर्भीक स्तंभ गणेश शंकर विद्यार्थी

लेखक- डॉ.अशोक कुमार भार्गव

दुश्मनों के सर कलम । निसंदेह हिंदी पत्रकारिता जगत के निर्भीक,क्रांतिकारी पत्रकार, स्वाधीनता सेनानी, समाजसेवी और कुशल राजनीतिज्ञ गणेश शंकर विद्यार्थी ने आजादी की लड़ाई में अपनी कलम को ही अपना अस्त्र बना लिया। उनके पास सत्ता की ताकत नहीं थी किंतु अपनी बेबाक धारदार कलम से अंग्रेज हुकूमत की दमनकारी नीतियों, सामाजिक अन्याय, शोषण और जमींदारों, सामंतों के अत्याचारों के विरुद्ध राष्ट्रहित जनहित में इंकलाब का उद्घोष किया। 26 अक्टूबर1890 को इलाहाबाद में जन्मे विद्यार्थी का बचपन मध्य प्रदेश के वर्तमान अशोकनगर जिले के मुंगावली में बीता। प्रारंभिक शिक्षा प्रयागराज में हुई।पढ़ाई के दौरान ही उनका विवाह हो गया। कानपुर कर्म स्थली रही। कानपुर के सूती मिल के मजदूरों की दुर्दशा देख उनके हितों के संघर्ष हेतु उन्हें संगठित किया।1908 में कानपुर करंसी में नौकरी की बाद में हाई स्कूल में शिक्षक बने किंतु दोनों ही स्थान पर देश प्रेम को समर्पित अभ्युदय पत्रिका पढ़ने से मना करने पर स्वाभिमानी विद्यार्थी ने नौकरी सेत्यागपत्र दे दिया। 1913 में महाराणा प्रताप के पराक्रम से प्रेरित होकर प्रताप नामक साप्ताहिक पत्र प्रारंभ किया। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने आशीष स्वरुप प्रताप के लिए यह पंक्तियां प्रेषित की जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है, वह नर नहीं नर पशु निरा है और मृतक समान है विद्यार्थी ने इसे आरंभ से अंत तक प्रताप का मूल मंत्र बना पत्रकारिता को सामाजिक कर्म का प्रतीक निरूपित किया। प्रताप का समग्र सृजन नैतिक मूल्यों, आदर्शों, जन आंदोलनों और आजादी की लड़ाई के प्रति प्रतिबद्ध था। स्वाधीनता संग्राम के उच्चतम प्रतिमानों से प्रेरित होकर विद्यार्थी ने प्रताप के पहले अंक में प्रताप की नीति लेख लिखा जो आज भी पत्रकारिता के आदर्श घोषणा पत्र के रूप में प्रतिष्ठित है। वे लिखते हैं आज अपने हृदय में नई-नई आशाओं को धारण करके और अपनी उद्देश्यों पर पूर्ण विश्वास रखकर प्रताप कर्म क्षेत्र में आता है। समस्त मानव जाति का कल्याण हमारा परमोद्देश्य हैऔर इसकी प्राप्ति का एक बहुत बड़ा जरूरी साधन हम भारतवर्ष की उन्नति को समझते हैं। वे प्रताप के माध्यम से अपनी ज़िम्मेदारियों को रेखांकित करते हुए लिखते हैं हम अपने देश और समाज की सेवा के पवित्र काम का भार अपने ऊपर लेते हैं। हम अपने भाइयों और बहनों को उनके कर्त्तव्य और अधिकार समझाने का यथाशक्ति प्रयत्न करेंगे। राजा और प्रजा में,एक जाति और दूसरी जाति में, एक संस्था और दूसरी संस्था में बैर और विरोध, अशांति और असंतोष ना होने देना हम अपना परम कर्तव्य समझेंगे। इसी लेख में वे पत्रकारिता के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए लिखते हैं किसी की प्रशंसा या अप्रशंसा, किसी की प्रसन्नता या अप्रसन्नता, किसी की घुड़की या धमकी हमें अपने सुमार्ग से विचलित न कर सकेगी। सत्य और न्याय हमारे भीतरी पथ प्रदर्शक होंगे। सांप्रदायिक और व्यक्तिगत झगड़ों से प्रताप सदा अलग रहने की कोशिश करेगा। उसका जन्म किसी विशेष सभा, संस्था, व्यक्ति या मत के पालन पोषण,रक्षण या विरोध के लिए नहीं हुआ है किंतु उसका मत स्वातंत्र्य विचार और उसका धर्म सत्य होगा। हम जानते हैं कि हमें इस काम में बड़ी-बड़ी कठिनाइयों को सामना करना पड़ेगा और इसके लिए बड़े भारी साहस और आत्म बल की आवश्यकता है। हमें यह भी अच्छी तरह मालूम है कि हमारा जन्म निर्बलता, पराधीनता और अल्प सत्ता के वायुमंडल में हुआ है तो भी हमारे हृदय में सत्य की सेवा करने के लिए आगे बढ़ने की इच्छा है। हम न्याय में राजा और प्रजा दोनों का साथ देंगे परंतु अन्याय में दोनों में से किसी का भी नहीं। हमारी यह हार्दिक अभिलाषा है कि देश की विविध जातियों,संप्रदायों और वर्णों में परस्पर मेल मिलाप बढ़े। विद्यार्थी का अपने सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति समर्पण अद्भुत था। अपने उद्देश्यों से भटकना वे मृत्यु के समान मानते थे। इसीलिए वह स्पष्ट करते हैं कि जिस दिन हमारी आत्मा ऐसी हो जाए कि हम अपने प्यारे आदर्श से डिग जावें, जानबूझकर असत्य के पक्षपाती बनने की बेशर्मी करें और उदारता, स्वतंत्रता तथा निष्पक्षता को छोड़ देने की भीरुता दिखाए,वह दिन हमारे जीवन का सबसे अभागा दिन होगा और हम चाहते हैं कि हमारी उस नैतिक मृत्यु के साथ ही हमारे जीवन का भी अंत हो जाए। विद्यार्थी की पत्रकारिता का यह कालजयी दर्शन आधुनिक भारतीय पत्रकारिता का प्रकाश स्तंभ है। अपने क्रांतिकारी लेखों और भाषणों के कारण कई बार प्रताप पर उन्हें जुर्माना, सजा, दंड, कुर्की और पांच बार जेल यात्रा की सौगातें प्राप्त हुई। उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसक आंदोलन के समर्थन के साथ ही भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों को हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई। यद्यपि विद्यार्थी ने स्वराज अखबार से उर्दू में लिखना प्रारंभ किया था किंतु हिंदी के प्रति उनके ममत्व ने उन्हें हिंदी में लिखने हेतु प्रेरित किया।उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के हर संभव प्रयासों में अप्रतिम योगदान दिया। वह भाषा की महत्ता को गंभीरता से समझते थे इसीलिए एक बार बड़ी गहराई में उतर कर उन्होंने लिखा था मुझे देश की आजादी और भाषा की आजादी में से किसी एक को चुनना पड़े तो मैं निःसंकोच भाषा की आजादी चुनूंगा। देश की आजादी के बावजूद भाषा की गुलामी रह सकती है लेकिन अगर भाषा आजाद हुई तो देश गुलाम नहीं रह सकता। क्योंकि भाषा हमारे जातीय जीवन और संस्कृति की रक्षिका, शील का दर्पण और विकास का वैभव है। पराई भाषा चरित्र की दृढ़ता का अपहरण कर लेती है,मौलिकता का विनाश कर देती है और नकल करने का स्वभाव बना कर उत्कृष्ट गुणोंऔर प्रतिभा से नमस्कार करा देती है। उन्होंने हिंदी को साहित्यिक जटिलता से मुक्त कर भारत के स्वाधीनता संग्राम, जन जागरण, सांप्रदायिक सद्भाव,मजदूरों, किसानों और आम आदमी की भाषा बनाया। उनके लेखों में हिंदी सरल बोधगम्य सशक्त विद्रोही भाषा के रूप में विकसित हुई। उन्होंने विक्टर ह्यूगो के प्रसिद्ध उपन्यास नाइंटी थ्री का हिंदी में बलिदान नाम से अनुवाद किया। हिंदी में शेखचिल्ली की कहानियां लिखी। हिंदी साहित्य सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी की और सरस्वती, कर्मयोगी, स्वराज्य, हित वार्ता में उनके क्रांतिकारी लेख प्रकाशित होते रहे। विद्यार्थी की प्रेरणा से 1924 में कानपुर कांग्रेस अधिवेश में श्यामलाल गुप्त पार्षद द्वारा रचित झंडा गीत विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा का स्वागत गीत के रूप में सामूहिक गायन प्रस्तुत किया गया। यह गीत आज भी देशवासियों के मन में ऊर्जा का संचार करता है। अंग्रेज हुकूमत ने 23 मार्च 1925 को शहीद ऐ आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा सुना दी। समग्र राष्ट्र शोक संतप्त हुआ। कानपुर में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए। सर्व धर्म समभाव को भारत की आत्मा मानने वाले विद्यार्थी स्वयं सेवकों के साथ हिंदू मुस्लिम दंगों की धधकती ज्वाला को शांत करने, पीड़ित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए उनके बीच चले गए। इसी दौरान दंगाइयों ने उनकी नृशंस हत्या कर दी। दो दिन बाद लाशों के ढेर में उनके शव की पहचान की गई। हैवानियत के उस नर्क में आजादी का स्वप्न देखने वाली आंखें सदा के लिए बंद हो गई।

"मिथक" बनाने वाले नहीं, बल्कि तोड़ने वाले "मुख्यमंत्री"

लेखक - राजीव खंडेलवाल

मध्यप्रदेश के यशस्वी लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के जन्म दिवस के अवसर पर उन्हें शुभकामनाएं देना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उनके कार्यो में उस पक्ष को भी समझना आवश्यक है, जिसने उन्हें मध्यप्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण सबसे विशिष्ट स्थान दिलाया है। इस अवसर पर उनके नेतृत्व और मध्यप्रदेश की राजनीति में उसके संभावित प्रभावों पर विचार करना प्रासंगिक है।

'' **व्यक्तित्व** ।'' मध्यप्रदेश की राजनीति पिछले दो दशकों में कई महत्वपूर्ण मोड़ों से गुजरी है। इन वर्षों में राज्य ने स्थिरता, विकास और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तीनों का अनुभव किया है। ऐसे परिदृश्य में डॉ. मोहन यादव का एक ''गुबार-ए-कारवां से अमीर-ए-कारवां'' की नजीर बन कर मुख्यमंत्री के रूप में उदय केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि नेतृत्व की नई पीढ़ी के उभार का भी संकेत माना जा सकता है। डॉ. मोहन यादव का व्यक्तित्व शिक्षा, संस्कृति और जनसेवा के समन्वय का प्रतीक है। वे केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि एक शिक्षाविद और विचारशील व्यक्तित्व के रूप में भी जाने जाते हैं। राजनीति में उनका प्रवेश सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राज्य के विकास का एक साधन रहा है। मोहन की कार्यप्रणाली व कर्मणता व सीधे कार्यकर्ताओं तक पहुंच से एक जुमला बन गया। ''दरबार तक पहुंच हो तो दरबारी की क्या बिसात''।

'' **नेतृत्व परिवर्तन का राजनीतिक संदर्भ**।' ' लंबे समय तक शिवराज सिंह चौहान ''मामा'' मध्य प्रदेश की राजनीति के केंद्र बिंदु रहे। उनके कार्यकाल में कई जनकल्याणकारी योजनाएँ और विकास परियोजनाएँ प्रारंभ हुईं, जिन्होंने राज्य की राजनीति को एक स्थिर व विकास की दिशा दी। ऐसी परिस्थिति में स्थापित नेता शिवराज सिंह की जगह डॉ. मोहन यादव की केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा स्थापना एक दूरदर्शी निर्णय था, जो खतरे से खाली नहीं था। परन्तु जैसे कि ''एक तिनके से हवा का रुख पता चल जाता है'', मोहन ने उन ख़तरे के बादल की आशंकाओं को शीघ्र ही अभी तक की अपनी कार्यप्रणाली से निर्मूल कर दिया। लोकतंत्र में नेतृत्व परिवर्तन केवल ''व्यक्तियों का परिवर्तन'' नहीं होता, बल्कि वह राजनीति की दिशा, प्राथमिकताओं और कार्यशैली में संभावित बदलाव का संकेत भी होता है। ऐसी स्थिति में जब किसी लंबे समय तक प्रभावशाली नेता के बाद नया नेतृत्व सामने आता है, तो स्वाभाविक रूप से तुलना और अपेक्षाएँ दोनों बढ़ जाती हैं। डॉ. मोहन यादव के सामने भी यही परिस्थिति है। उन्हें ''अच्छा बोओ अच्छा काटो'' की नीति पर चलते हुए और एक स्थापित राजनीतिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अपनी अलग पहचान भी बनानी है। इसमें वे सफल होते दिख भी रहे हैं।

' '**संगठनात्मक राजनीति से प्रशासनिक नेतृत्व तक**।'' ''संघे शक्तिः कलौ युगे'' के सूत्र वाक्य को अपने जीवन में उतारने वाले डॉ. मोहन यादव की राजनीतिक पृष्ठभूमि मूलतः संगठनात्मक राजनीति से जुड़ी रही है। वे जानते हैं कि ''एक फूल से माला नहीं बनती''। भाजपा के संगठनात्मक ढाँचे में कार्य करते हुए उन्होंने छात्र राजनीति से लेकर राज्य स्तर तक अपनी सक्रियता बनाए रखी। संगठनात्मक राजनीति की यह पृष्ठभूमि प्रशासनिक नेतृत्व में भी सहायक हो सकती है, क्योंकि इससे निर्णय लेने की प्रक्रिया में सामूहिकता और संगठनात्मक संतुलन बनाए रखने की क्षमता विकसित होती है।

'' **संस्कृति, पहचान और विकास की राजनीति** ''। डॉ. मोहन यादव का जुड़ाव महाकाल की नगरी ''उज्जयनी'' से रहा है, जो भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। यह सांस्कृतिक पृष्ठभूमि उनके राजनीतिक विचारों और प्राथमिकताओं में ''चोली दामन के साथ'' की तरह दिखाई देती है।

'' **नेतृत्व की कसौटी** ''। लोकतंत्र में किसी भी नेता का अंतिम मूल्यांकन समय के साथ ही होता है। बगैर ''जमीन आसमान के कुलाबे मिलाए'', नीतियों की सफलता, विकास की गति और जनता के जीवन में होने वाले वास्तविक परिवर्तन ही यह तय करते हैं कि किसी नेता का योगदान कितना प्रभावशाली रहा। डॉ. मोहन यादव के सामने भी यही कसौटी होगी। यदि वे विकास, प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक संतुलन के बीच सही तालमेल स्थापित कर पाते हैं, जिसका वे प्रयास कर रहे है तो उनका कार्यकाल मध्यप्रदेश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज हो सकता है।

''**मध्यप्रदेश: चुनौतियां और अवसर**।'' भारत का ''हृदय प्रदेश'' कहलाने वाला विशाल राज्य, ''मध्यप्रदेश'' देश के उन राज्यों में से है, जहाँ विकास की संभावनाएँ अत्यंत व्यापक हैं, किंतु चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं, इन संभावनाओं को जमीन पर उतारना ''हथेली पर सरसों जमाने जैसा'' नहीं है। राज्य की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है, जबकि उद्योग, पर्यटन और सेवा क्षेत्र में अभी भी विस्तार की पर्याप्त संभावनाएँ मौजूद हैं। कृषि उत्पादन बढ़ाना, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना, औद्योगिक निवेश आकर्षित करना और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना ये सभी ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर राज्य सरकार की नीतियाँ निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं।

'' **मुख्यमंत्री मोहन यादव की प्रमुख उपलब्धियां (2023-2026) ।**''

औद्योगिक और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास: इंदौर की वर्षों से लंबित हुकुमचंद मिल का मामला सुलझाया और सागर में खाद कारखाना चालू किया।

सिंहस्थ: वर्ष 2028 में क्षिप्रा जल से स्नान 2028 होगा।

जल संरक्षण और कृषि: ''जल पुरुष'' के रूप में, उन्होंने हर खेत तक पानी पहुँचाने का संकल्प लिया है, जिसमें उज्जैन संभाग ने शहर घर जलश् का लक्ष्य हासिल किया। 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया।

स्वालम्बी: गौ-शाला नीति 2025 स्वीकृति की।

यश दयाल आईपीएल के इस सीजन से बाहर

निजी कारणों से नहीं खेलेंगे, क्रिकेटर पर पिछले साल रेप के 2 केस दर्ज हुए थे

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज यश दयाल इस सीजन टीम से नहीं जुड़ेंगे। टीम के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट मोहम्मद बोबाट ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यश निजी कारणों से इस सीजन में नहीं खेलेंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि खिलाड़ी अभी भी टीम के साथ कॉन्ट्रैक्ट में बने हुए हैं। यश को पिछले साल की नीलामी से पहले आरसीबी ने 5 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। उन्होंने 2022 में गुजरात

टाइटंस के साथ आईपीएल डेब्यू किया था और उसी साल टीम के साथ खिताब भी जीता था।

2 बार रेप के आरोप लग चुके– यश दयाल इस समय दो अलग–अलग मामलों में यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे हैं। गाजियाबाद की एक महिला ने आरोप लगाया है कि दयाल ने शादी का झांसा देकर पांच साल तक उसका भावनात्मक और शारीरिक शोषण किया। इस शिकायत के बाद उनके खिलाफ रेप का मामला दर्ज हुआ। इसके अलावा जयपुर में एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म का भी आरोप लगाया गया है। आरोप है कि दयाल ने क्रिकेट में मदद का भरोसा देकर 17 साल की लड़की के साथ 2023 में दुष्कर्म किया। इस मामले में जयपुर के सांगानेर सदर थाने में एफआईआर दर्ज है।

हार्दिक, सुखजीत, संजय, अभिषेक वर्ष के सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह, फॉरवर्ड सुखजीत सिंह और अभिषेक और डिफेंडर संजय इस साल हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में हैं। महिला वर्ग में सलीमा टेटे, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी और सविता पूनिया को नामांकन मिला है। यहां शुक्रवार को होने वाले हॉकी इंडिया पुरस्कार समारोह में उदीयमान खिलाड़ी (अंडर 21) का जुगराज सिंह और असुंथा लाकड़ा पुरस्कार भी दिया जाएगा। अंतिम नामांकन में आठ श्रेणियों में 32 खिलाड़ियों को चुना गया है। इसके साथ ही हॉकी में अमूल्य योगदान के लिए जमन लाल शर्मा पुरस्कार और असाधारण उपलब्धि के लिए अध्यक्ष का पुरस्कार भी दिया जाएगा। अधिकारियों की श्रेणी में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंपायर /अंपायर मैनेजर का पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी अधिकारी और सर्वश्रेष्ठ सदस्य ईकाई का पुरस्कार भी दिया जाएगा। इसके साथ ही एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरूष टीम और जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली जूनियर पुरूष टीम को भी सम्मानित किया जाएगा। हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, भारतीय हॉकी के लिए यह अहम साल है और ऐसे में असाधारण प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और पिछले एक साल में अपना योगदान देने वालों को सम्मानित करना महत्वपूर्ण है।

बेंगलुरु भगदड़ के मृतकों को अनूठी श्रद्धांजलि

चिन्नास्वामी स्टेडियम में 11 सीटें हमेशा खाली रखी जाएंगी, स्मारक पट्टिका भी लगेगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के एम चिन्नस्वामी स्टेडियम में खेले जाने वाले आईपीएल और इंटरनेशनल मैचों में 11 सीटें हमेशा खाली रखी जाएंगी। वहीं, स्टेडियम के एंट्री गेट पर स्मारक पट्टिका (मेमोरियल प्लाक) और हर मैच से पहले एक मिनट का मौन भी रखा जाएगा, जिसमें दोनों टीमें हिस्सा लेंगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) ने पिछले साल एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुए भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए यह खास पहल की है। 4 जून 2025 को ऋष्ट्वकी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने में 11 लोगों की मौत हो गई थी।

मैच से पहले दी जाएगी श्रद्धांजलि– भगदड़ वाली घटना की याद में आरसीबी और केएससीए ने स्टेडियम में एक स्मारक पट्टिका (मेमोरियल प्लाक) लगाने और 11 सीटों को हमेशा खाली रखने का फैसला किया है। ये सीटें इंटरनेशनल मैच में भी उन 11 लोगों की याद में कभी बेची नहीं जाएंगी।

हिल्सबरो मेमोरियल की तर्ज पर बनेगा स्मारक

स्टेडियम की गेट पर लगने वाली स्मारक पट्टिका को इंग्लैंड के मशहूर हिल्सबरो मेमोरियल की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है। हिल्सबरो मेमोरियल को लिवरपूल एफसी के 97 फैंस की याद में बनाया गया था। दरअसल, 15 अप्रैल 1989 को एफए कप सेमीफाइनल के दौरान हिल्सबरो स्टेडियम में हुए भीषण हादसे में इन फैंस की जान चली गई थी, जिसके बाद उनकी स्मृति में यह मेमोरियल बनाया गया।

काफी समय से बात चल रही थी- वेंकटेश प्रसाद

कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने इस पहल की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुखद घटना को याद करना भी पीड़ादायक है, लेकिन काफी समय से स्मारक बनाने पर चर्चा चल रही थी। उन्होंने कहा कि 11 लोगों की याद को सम्मान देना जरूरी है, न कि पुराने जख्मों को कुरेदना।

आईपीएल के शुरुआती 20 मैच का शेड्यूल जारी

4 दिन पहले बीसीसीआई ने आईपीएल के शुरुआती 20 मैचों का शेड्यूल जारी किया था। इनमें से 2 मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने हैं। शेड्यूल जारी करते समय बीसीसीआई ने कहा था कि बेंगलुरु में आईपीएल मैच सरकार की परमीशन पर निर्भर करेंगे।

स्टेडियम में मैच कराने पर रोक लग गई थी

भगदड़ हादसे के बाद जस्टिस जॉन माइकल डी कुन्हा कमेटी ने इस स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित बताया था, जिसके चलते यहां मैच कराने पर रोक लगा दी गई थी। इसके कारण आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के मुकाबले भी बेंगलुरु से हटाकर नवी मुंबई में आयोजित किए गए। वहीं, घरेलू टी–20 लीग महाराजा टी–20 ट्रॉफी को भी बेंगलुरु की बजाय मैसूर में शिफ्ट करना पड़ा था।

स्टेडियम में मैच कराने की मंजूरी

कर्नाटक सरकार ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 के मैचों के आयोजन को मंजूरी दे दी है। यहां 28 मार्च को मेजबान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच ओपनिंग मैच खेला जाएगा।

सिनर ने तोड़ा जोकोविच का रिकॉर्ड

मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट्स में लगातार 26 सेट जीतने वाले पहले खिलाड़ी बनें

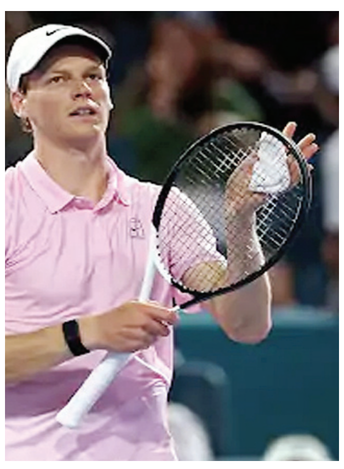

इटली (एजेंसी)। इटली के टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार सबसे अधिक सेट जीतने के मामले में नोवाक जोकोविच का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सिनर ने मियामी ओपन के तीसरे राउंड में कोरेंटिन मूटे को 6-1, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटा 11 मिनट तक चला। इस जीत के साथ सिनर के लगातार जीते गए सेटों की संख्या 26 हो गई है, जबकि जोकोविच के नाम 24 सेट का रिकॉर्ड था। जोकोविच ने यह उपलब्धि 2016 में इंडियन वेल्स और मियामी के बीच हासिल की थी।

नवंबर से जारी है अजेय रहने का सिलसिला– सिनर का यह शानदार सफर पिछले साल नवंबर में पेरिस मास्टर्स से शुरू हुआ था। वहां उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद उन्होंने इसी महीने इंडियन वेल्स ओपन का खिताब भी जीता। म्यूटेट के खिलाफ जीत के साथ ही सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 लेवल पर लगातार 13 मैच जीतने का रिकॉर्ड भी बना लिया है। मैच के बाद सिनर ने एटीपी की आधिकारिक वेबसाइट से कहा,मैं बहुत खुश हूं। यह खेल अप्रत्याशित है, इसलिए हम जितना हो सके उतना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं। अब देखते हैं कि अगले दौर में क्या होता है। उन्होंने आगे कहा कि वे हर मैच के लिए तकनीकी रूप से पूरी तरह तैयार रहने की कोशिश करते हैं।

अगले दौर में एलेक्स मिचेलसन से होगा मुकाबला

चौथे दौर में जैनिक सिनर का सामना अमेरिका के एलेक्स मिचेलसन से होगा। मिचेलसन ने अपने तीसरे दौर के मुकाबले में अलेजांद्रो ताबिलो को 3–6, 6–3, 6–4 से हराकर आगे कदम बढ़ाया है। सिनर जिस फॉर्म में चल रहे हैं, उन्हें टूर्नामेंट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

आईपीएल गाइडलाइन

मैच के दिन प्रैक्टिस पर रोक

फिटनेस टेस्ट नहीं, जर्सी नंबर बदलने पर बताना होगा; ड्रेसिंग रूम में सिर्फ स्टाफ को एंट्री

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के लिए बीसीसीआई ने नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत मैच के दिन कोई भी टीम प्रैक्टिस नहीं कर सकेगी। साथ ही खिलाड़ियों के लिए मैच-डे पर फिटनेस टेस्ट नहीं होगा। वहीं जर्सी नंबर बदलने से 24 घंटे पहले जानकारी देनी होगी और ड्रेसिंग रूम में सिर्फ स्टाफ को ही एंट्री मिलेगी। आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च से होगी। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला जाएगा। बीसीसीआई ने 11 मार्च को आईपीएल 2026 के पहले फेज का शेड्यूल जारी किया है।

विरोधी टीम के नेट्स का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे– मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टीमों के लिए अलग व्यवस्था की गई है। यहां दोनों टीमों को प्रैक्टिस के लिए अलग-अलग विकेट मिलेंगे और कोई भी टीम विरोधी टीम के विकेट का इस्तेमाल नहीं कर सकेगी।

प्रैक्टिस से जुड़े मुख्य नियम– हर टीम को प्रैक्टिस एरिया में दो नेट और मुख्य स्क्वायर पर एक साइड विकेट दिया जाएगा। मुंबई में यदि दोनों टीमें एक साथ अभ्यास करती हैं, तो उन्हें दो-दो विकेट दिए जाएंगे। ओपन नेट की अनुमति नहीं होगी, जिससे अभ्यास व्यवस्थित रहे।

साथ ही, अगर कोई टीम अपनी प्रैक्टिस जल्दी खत्म कर देती है, तो दूसरी टीम उसके विकेट का उपयोग नहीं कर सकेगी। सबसे अहम नियम यह है कि मैच के दिन किसी भी प्रकार की प्रैक्टिस पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी।

स्टाफ को एक्रेडिटेशन कार्ड रखना होगा

मैच के दिन सभी अधिकृत स्टाफ के लिए एक्रेडिटेशन कार्ड साथ रखना अनिवार्य होगा, अन्यथा जुर्माना लगाया जाएगा। खिलाड़ियों को स्क्ष्ष्ठ बोर्ड के पास बैठने या गेंद हिट करने से बचने की सलाह दी गई है। ब्रॉडकास्ट के नियमों के तहत शुरुआती ओवरों में ऑरेंज और पर्पल कैप पहनना जरूरी होगा। इसके अलावा, पोस्ट–मैच प्रेजेंटेशन के दौरान स्लीवलेस जर्सी या फ्लॉपी पहनने की अनुमति नहीं होगी। मैच के दिन केवल 12 सपोर्ट स्टाफ (जिसमें डॉक्टर भी शामिल है) को ही टीम के साथ रहने की अनुमति मिलेगी।

मैच के दिन फिटनेस टेस्ट नहीं होगा

मैच के दिन मुख्य स्क्वायर पर किसी भी तरह का फिटनेस टेस्ट नहीं किया जाएगा। खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए टीम बस से ही आना होगा, हालांकि जरूरत पड़ने पर उन्हें दो बैच में लाया जा सकता है। खिलाड़ियों के परिवार और दोस्त अलग वाहन से आएंगे और केवल हॉस्पिटैलिटी एरिया से ही प्रैक्टिस देख पाएंगे। ड्रेसिंग रूम और मैदान पर सिर्फ अधिकृत स्टाफ को ही प्रवेश की अनुमति होगी, ताकि सुरक्षा और अनुशासन बना रहे।

जर्सी नंबर बदलने की जानकारी देनी होगी– टीमों को अपने खिलाड़ियों के जर्सी नंबर में किसी भी बदलाव की जानकारी कम से कम 24 घंटे पहले देनी होगी।

होम लोन ग्राहकों से काट लिया ज्यादा ईएमआई, कई ग्राहकों को कर दिया डिफॉल्टर घोषित

नईदिल्ली, एजेंसी। बैंक ऑफ बड़ौदा में एक बड़ी तकनीकी गड़बड़ी सामने आई है, जिसके चलते होम लोन लेने वाले कई ग्राहकों के खातों से तय ईएमआई से ज्यादा रकम काट ली गई। यह समस्या मार्च महीने में सामने आई, जिससे ग्राहकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, बैंक के सिस्टम में गड़बड़ी के कारण कुछ खातों पर गलती से ज्यादा ब्याज दर लागू हो गई। इसका सीधा असर यह हुआ कि ग्राहकों के खातों से उनकी निर्धारित ईएमआई से अधिक राशि काट ली गई। हालांकि, कुछ मामलों में इसका उल्टा भी हुआ, जहां ग्राहकों से कम ब्याज वसूला गया। इकनॉमिक टाइम्स की खबर के मतुाबिक जिन ग्राहकों के खाते से ज्यादा पैसा कट गया और बैलेंस कम हो गया, उन्हें बैंक के सिस्टम ने डिफॉल्टर के रूप में चिन्हित कर दिया। इसके बाद कई ग्राहकों को वसूली एजेंसियों के कॉल आने लगे, जिससे वे घबरा गए। इतना ही नहीं, इस गड़बड़ी का असर उनके क्रेडिट स्कोर पर भी पड़ा, जो भविष्य में लोन लेने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। बैंक के प्रवक्ता ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नियमित समीक्षा के दौरान यह गड़बड़ी सामने आई, जो सीमित संख्या में खातों तक ही सीमित थी।

दनादन मिल रहे सुजलॉन एनर्जी को ऑर्डर, शेयर में तेजी, 40 पर आया दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयर मंगलवार, 24 मार्च को करीब 2 प्रतिशत तक चढ़ गए, जब कंपनी को लगभग 100 मेगावॉट का एक और बड़ा ऑर्डर मिला। यह सुजलॉन को मिला छठा रिपीट ऑर्डर है, जिससे कंपनी के प्रति भरोसा साफ झलकता है। खबर सामने आने के बाद निवेशकों में हल्की सकारात्मकता देखी गई और शेयर 40.67 के आसपास ट्रेड करता दिखा। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह वित्त वर्ष 2026 में मिला चौथा (सरकारी कंपनी) ऑर्डर है। इस प्रोजेक्ट से बनने वाली बिजली का इस्तेमाल महाराष्ट्र के नंदुरबार में के आने वाले पेट्रोकेमिकल प्लांट को डीकार्बोनाइज करने में किया जाएगा। यानी यह प्रोजेक्ट पर्यावरण के लिहाज से भी काफी अहम माना जा रहा है। इस ऑर्डर के तहत सुजलॉन 47 एडवांस 120 विंड टरबाइन जनरेटर लगाएगी, जिनमें हर एक की क्षमता 2.1 मेगावॉट होगी। कंपनी सिर्फ टरबाइन सप्लाई ही नहीं करेगी, बल्कि पूरे प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी भी संभालेगी–जिसमें इंस्टॉलेशन, एरेक्शन, कमीशनिंग और बाद में ऑपरेशन व मेंटेनेंस सेवाएं भी शामिल हैं। इससे कंपनी को लंबे समय तक स्थिर रेवेन्यू मिलने की उम्मीद रहती है। दिलचस्प बात यह है कि इससे पहले भी ब्र्ढ्ढरु ने सुजलॉन को तमिलनाडु, कर्नाटक और गुजरात में प्रोजेक्ट्स दिए हैं। यानी दोनों कंपनियों के बीच साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। महाराष्ट्र में सुजलॉन की पहले से ही 2.2 गीगावॉट की इंस्टॉल्ड क्षमता है और यहां कंपनी का मार्केट शेयर करीब 38 प्रतिशत है, जो इसे इस क्षेत्र में मजबूत खिलाड़ी बनाता है। दोबारा एंट्री की थी, जिसकी शुरुआत एनटीपीसी लिमिटेड से 1.1 गीगावॉट के बड़े ऑर्डर से हुई थी। आज कंपनी के कुल ऑर्डरबुक का 64 प्रतिशत हिस्सा और कमर्शियल-इंडस्ट्रियल सेगमेंट से आता है, जो इसके बिजनेस मॉडल की मजबूती दिखाता है। अगर शेयर के प्रदर्शन की बात करें तो हालिया तेजी के बावजूद सुजलॉन का स्टॉक पिछले एक महीने में करीब 8 प्रतिशत और साल 2026 में अब तक करीब 22.5 प्रतिशत गिर चुका है।

छुट्टी के लिए मैनेजर से पूछना अच्छा नहीं लगता था, छोड़ी नौकरी और शुरू किया काम, अब लाखों की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। श्रुति कुंदन कोलकाता से हैं। पहले वह कॉर्पोरेट फाइनेंस एनालिस्ट थीं। उन्होंने गुरुग्राम में जेनपैक्ट, टीसीएस और एक्सेंचर जैसी दिग्गज कंपनियों में काम किया। हालांकि, उनके मन में हमेशा एक सवाल रहता था। यह था- वो दिन कब आएगा जब छुट्टी के लिए मैनेजर से पूछना नहीं पेगा आखिरकार, साल 2023 में उन्होंने इस सवाल का जवाब ढूंढ लिया। कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर बोहोलेट की शुरुआत की। घर की रसोई में 250 रुपये के मोम से लड्डू मोमबत्ती बनाने से यह सफर शुरू हुआ। आज यह एक विशाल वेयरहाउस और 40 लाख रुपये से ज्यादा के सालाना टर्नओवर वाले वेंचर में बदल चुका है। श्रुति ने मोमबत्तियां बेचने के अलावा पैकेजिंग की समस्या को पहचानकर बी2बी कारोबार खा कर दिया। आइए, यहां श्रुति कुंदन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

श्रुति कोलकाता में पली-बढ़ीं। उन्होंने 2014 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी.कॉम ऑनर्स किया। इसके बाद कई बड़ी कंपनियों में नौकरी की। इनमें उन्होंने प्रोफेशनल मैनेजमेंट और क्लाइंट डीलिंग के गुर सीखे। क्रिएटिव कामों में उनकी बचपन

से दिलचस्पी थी। इसे उनके पति प्रणव श्री ने पहचाना। उन्हें बिजनेस शुरू करने के लिए बढ़ावा दिया। सितंबर 2023 में उन्होंने सिर्फ 11,000 रुपये की शुरुआती पूंजी से लड्डू के आकार की मोमबत्तियां बनाना शुरू किया। महाराष्ट्र में गणेश चतुर्थी के दौरान उनकी पहली 100 मोमबत्तियां हाथों-हाथ बिक गईं। इससे उनका कॉन्फिडेंस आसमान छूने लगा।

अक्टूबर 2023 में श्रुति को दुबई के एक क्लाइंट से 700 लड्डू मोमबत्तियों का ऑर्डर मिला। उस वक्त उनके पास सिर्फ 10 मोल्ड (सांचे) थे। वह घर से ही काम कर रही थीं। इस ऑर्डर को समय पर पूरा करने के लिए श्रुति ने दिन-रात काम किया। इसका फल यह मिला कि 9,000 रुपये की लागत वाले इस अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर से उन्हें 20,000 रुपये की कमाई हुई। इसके बाद उन्होंने इंडियामार्ट जैसे प्लेटफार्म्स से जुड़ने का फैसला किया। इसके जरिए सीधे सप्लायर्स से जुड़कर अपनी लागत कम की। बिजनेस को और मुनाफे में ले आईं।

श्रुति ने बिजनेस करते हुए महसूस किया कि छोटे उद्यमियों को अच्छी क्वालिटी के पैकेजिंग बॉक्स मिलना बहुत कठिन है। कारण है कि बे सप्लायर कम से कम 2,000 बॉक्स का ऑर्डर मांगते हैं। श्रुति ने इस कमी को अवसर में बदला। अपने ब्रांड के तहत कम मात्रा में बॉक्स बेचना शुरू किया। इसकी शुरुआत 20 पीस से होती है। आज उनके बिजनेस का 80 प्रतिशत हिस्सा इसी पैकेजिंग से आता है। अपनी प्रोडक्शन कैपिसिटी बाने के लिए उन्होंने 6.5 लाख रुपये की सेमी-ऑटोमैटिक मशीन लगाई। यह हर रोज 20,000 यूनिट्स तैयार कर सकती है।

साल 2023 में घर से शुरू हुआ श्रुति का सफर अब गुरुग्राम के पटौदी स्थित 1,200 वर्ग फीट के वेयरहाउस तक पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2025-26 में उनका रेवेन्यू 42 लाख रुपये के करीब पहुंचने की उम्मीद है। श्रुति का विजन अब सिर्फ मोमबत्ती की मैन्युफैक्चरिंग तक सीमित नहीं है। वह कॉस्मेटिक, परफ्यूम और फार्मा कंपनियों के लिए प्रीमियम पैकेजिंग का बा हब बनना चाहती हैं। उनका टारगेट वित्त वर्ष 2026-27 तक 1 करोड़ रुपये की सालाना बिक्री का आंका छूना है।

यह बिल विपक्ष के जोरदार विरोध के बीच पारित हुआ

पेट्रोल–डीजल पर नया टैक्स! हिमाचल में 5 प्रति लीटर तक सेस लगाने का रास्ता साफ

नईदिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल और डीजल महंगे हो सकते हैं। राज्य विधानसभा ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश वैट (संशोधन) विधेयक 2026 पास कर दिया, जिससे सरकार को पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल पर अधिकतम 5 प्रति लीटर तक सेस लगाने का अधिकार मिल गया है। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल और डीजल महंगे हो सकते हैं। राज्य विधानसभा ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश वैट (संशोधन) विधेयक 2026 पास कर दिया, जिससे सरकार को पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल पर अधिकतम 5 प्रति लीटर तक सेस लगाने का अधिकार मिल गया है। हालांकि, यह बिल विपक्ष के जोरदार विरोध के बीच पारित हुआ। इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया कि 5 अधिकतम सीमा है और सरकार अपनी जरूरत के हिसाब से कम दर भी तय कर सकती है। यानी फिलहाल यह तय नहीं है कि पूरा 5 ही लगाया जाएगा।

24 मार्च को देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जबकि सोमवार को 11 प्रतिशत की गिरावट के बाद ब्रेंट क्रूड 104 डॉलर प्रति बैरल तक चढ़ गया, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला करने की धमकी को पांच दिनों के लिए टाल दिया। ट्रंप ने ईरान से बातचीत का दावा किया, जबकि ईरान ने बातचीत होने से इनकार किया। दूसरी ओर इजरायल ने हमले जारी रखे। इस अपडेट के

बाद अमेरिकी क्रूड बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट लगभग 4 प्रतिशत चढ़ गया।

अधिकांश महानगरों में पेट्रोल 100 प्रति लीटर से ऊपर बना हुआ है, जबकि डीजल अभी भी 100 से नीचे है। पश्चिम एशिया में तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद भारत में फिलहाल पेट्रोल-डीजल के रेट स्थिर हैं। इसका कारण यह है कि कंपनियां वैश्विक उतार-चढ़ाव के बावजूद तुरंत कीमतों में बदलाव नहीं करतीं, बल्कि कुछ समय तक स्थिति को देखती हैं। भारत में ईंधन की कीमतें कई कारकों से प्रभावित होती हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)